सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सीएम सैनी इस जिले को देंगे 196 करोड़..... पेज: 6

मैं कभी एक्टिंग में नही आना चाहते था .. पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 03 | शनिवार 04 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

सीमा हैदर ने अपने 6वें बच्चे का नाम भारत रखा... महिलाओं के साथ किया कुंआ पूजन

नोएडा (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रख दिया है। गुरुवार को रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजन करने निकली। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन हुआ। इसके पहले रात में माता के जागरण का आयोजन किया गया था। सीमा ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। वे बहुत खुश हैं। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। सीमा हैदर ने कहा कि मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है, तब मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर समाज के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं। दरअसल, सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। उसका नाम मीरा रखा था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी। यहां आकर उसने उससे शादी कर ली।

पटना में पीएमसीएच के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग... लाखों का सामना खाक

पटना (एजेंसी)। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग लगने से पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फैलती हुई विभाग के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले गई, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर सभी को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचाव हो सका। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5-6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था, हालांकि दमकलकर्मी लगातार आग पर नियंत्रण पाने में जुटे रहे। एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर को खाली करा लिया गया और प्रशासन व पुलिस की टीमें मौके पर तैनात रहीं। इस हादसे में पैथोलॉजी विभाग के लाखों रुपये के उपकरण, मशीनें और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जिसकी पुष्टि अग्निशमन अधिकारी अजीत कुमार ने की है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है।

भारत में एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप्स का बढ़ता चलन, 40 लाख यूज़र्स के आंकड़े ने चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत, जहाँ शादी को पारंपरिक रूप से एक पवित्र संस्था माना जाता रहा है, वहाँ अब रिश्तों की दुनिया में खामोश लेकिन बड़ा बदलाव दिख रहा है। एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग एप के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, देश में इसके यूजर्स की संख्या 40 लाख के पार पहुँच गई है। यह आँकड़ा शादी और वफादारी के प्रति बदलते सामाजिक दृष्टिकोण की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलुरु 18 प्रतिशत यूजर्स के साथ सूची में सबसे आगे है। इसके बाद हैदराबाद (17 प्रतिशत), दिल्ली (11 प्रतिशत), मुंबई (9 प्रतिशत) और पुणे (7 प्रतिशत) का स्थान है। खास बात यह है कि अब यह चलन केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लखनऊ, सूरत, पटना और गुवाहाटी जैसे शहरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में किए गए सर्वेक्षण में 25 से 50 वर्ष आयु वर्ग के 1,503 शादीशुदा लोगों को शामिल किया गया। इसके नतीजे बताते हैं कि 60 प्रतिशत से अधिक लोग गैर-पारंपरिक रिश्तों जैसे ओपन रिलेशनशिप को लेकर पहले से अधिक खुले हो गए हैं। यह संकेत देता है कि पारंपरिक वैवाहिक ढांचे को लेकर सोच में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु का कांचीपुरम जैसे शहर भी एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के प्रमुख केंद्रों में उभर रहे हैं। यूजर के हिसाब से 65 प्रतिशत पुरुष और 35 प्रतिशत महिलाएँ इन प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल कर रही हैं। हालांकि, महिलाओं की भागीदारी में पिछले दो वर्षों में 148 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। औसतन, यूज़र्स रोजाना 1 से 1.5 घंटे इन एप पर बिताते हैं, जिसमें दोपहर 12 से 3 बजे और रात 10 बजे से आधी रात तक सबसे अधिक सक्रियता देखी जाती है।

कांग्रेस से हटकर वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए मोदी सरकार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया में हाल के संकट पर एनडीए सरकार की नीति की सराहना कर परिपक्व और कुशल कूटनीति बता दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देकर स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय एकता जरुरी है। कांग्रेस नेता शर्मा ने लिखा कि भारत की प्रतिक्रिया ने संभावित जोखिमों से बचाव किया और इस राष्ट्रीय सहमति एवं दृढ़ संकल्प पर आधारित होना चाहिए। मोदी सरकार ने इस अनिश्चित और अस्थिर परिस्थिति में राजनीतिक दलों को नीतिगत निर्णयों से अवगत कराने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। शर्मा ने कहा कि यह राष्ट्रीय संवाद जारी रहना चाहिए और संकट के समाधान में परिपक्व प्रतिक्रिया समय की मांग करती है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण रुपये का अवमूल्यन हो सकता है, और इस गिरावट को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि युद्ध ने ऊर्जा, आर्थिक और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता और रुपये तथा अन्य मुद्राओं के अवमूल्यन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संकट की गंभीरता को पूरी तरह समझना होगा और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यवस्था और वैश्विक संकट प्रबंधन तंत्र के पतन पर विश्व मूकदर्शक नहीं बन सकता।

डीएमके के गढ़ में चुनौती देकर खुद को राज्य की राजनीति में मुख्य प्रतिद्वंद्वी बना रहे थलापति

बीते कई सालों से चेन्नई की 16 सीटें डीएमके की गढ़ रही

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक नया तूफान उठ खड़ा हुआ है। सुपरस्टार थलापति विजय ने फरवरी 2024 में अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) लांच की और विधानसभा चुनावों में चेन्नई को अपने अभियान का केंद्र बनाया है। चेन्नई का हर जिला लंबे समय से डीएमके का गढ़ रहा है, और यहाँ की 16 सीटें सत्ताधारी दल के कब्जे में रही हैं। विजय ने अपनी राजनीतिक रणनीति में दो सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया है, तिरुचिरापल्ली (पूर्व) और पेरम्बूर। जहां तिरुचिरापल्ली उनके लिए सुरक्षित विकल्प है, वहीं पेरम्बूर सीट का महत्व इसलिए है क्योंकि यह मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कोलाथुर क्षेत्र से करीब है। पेरम्बूर से चुनाव लड़कर विजय सीधे डीएमके के मुखिया के सामने चुनौती पेश कर रहे हैं और खुद को उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में बता रहे हैं।

विजय की रणनीति केवल व्यक्तिगत चुनौती तक सीमित नहीं है। चेन्नई में टीवीके के अन्य मजबूत उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में हैं। महासचिव एन आनंद टी नगर से, आधव अर्जुना विल्लिवक्कम से, उप-महासचिव के राजमोहन एग्मोर से और एआईएडीएमके के पूर्व विधायक बीएस बाबू को कोलाथुर से उतारा गया है। बाबू का मुकाबला सीधे मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। इन उम्मीदवारों के माध्यम से टीवीके चेन्नई के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी पहचान मजबूत करना चाहती है।

चेन्नई पर विजय का फोकस डीएमके के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। डीएमके का यह गढ़ सालों से सुरक्षित माना जाता रहा है और एमजीआर या जयललिता जैसी दिग्गज हस्तियों ने भी चेन्नई में डीएमके को पूरी तरह से मात नहीं दी थी। एमजीआर ने तमिलनाडु में लगातार तीन चुनाव जीतकर राज्य में अपना दबदबा बनाया था, लेकिन चेन्नई में डीएमके पर पूर्ण नियंत्रण नहीं कर सके। जयललिता की लगातार दस साल की कोशिशों ने 2006 और 2011 में डीएमके के गढ़ को कुछ हद तक कमजोर किया था, लेकिन 2016 में डीएमके ने अपना दबदबा फिर से मजबूत किया और 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन ने चेन्नई की सभी 16 सीटें जीत लीं।

विजय का चेन्नई पर ध्यान सिर्फ़डीएमके की सत्ता को चुनौती देने तक सीमित नहीं है। यह एआईएडीएमके को भी हाशिये पर करने की रणनीति है। एआईएडीएमके ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है, वहीं डीएमके ने कांग्रेस को अपने साथ जोड़कर चुनावी तैयारी की है। विजय का उद्देश्य यह दिखाना है कि उनकी पार्टी केवल नए विकल्प के रूप में नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित हो सकती है। इसके लिए उन्होंने अपने प्रसिद्ध चेहरे और युवा समर्थकों को मैदान में उतारा है।

पेरम्बूर सीट का चुनाव विजय के राजनीतिक उदय का प्रतीक है। यह विधानसभा क्षेत्र सीधे डीएमके के वर्तमान विधायक आरडी शेखर के इलाके से लगता है, और यहां से विजय का मुकाबला मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। यह सीट विजय को डीएमके के गढ़ में अपनी ताकत दिखाने और सीधे मुकाबला करने का अवसर देती है। यह रणनीति उन्हें तमिलनाडु में करिश्माई और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकती है।

संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं पीएम मोदी का धन्यवाद करता हूं : चिराग पासवान

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी) केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन के संबंध में विशेष संसदीय सत्र बुलाने के एनडीए सरकार के फैसले की सराहना कर कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), ने हमेशा इसतरह के मुद्दे को बहुत महत्व दिया है। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि महिलाएं इसकी मांग करती रही हैं और हमारी पार्टी ने लगातार इस मांग का समर्थन किया है, हमारे दिवंगत नेता राम विलास पासवान जी के समय से ही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि विपक्ष भी इस बिल का समर्थन करेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार अप्रैल के तीसरे सप्ताह में संसद का बजट सत्र पुनः बुलाने की तैयारी में है, ताकि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव करने वाला संशोधन विधेयक पेश किया जा सके। जिसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित रहेगी। एजेंडा में 2023 के नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन और परिसीमन आयोग विधेयक को पेश करना भी शामिल हो सकता है। केंद्र सरकार परिसीमन और सीट पुनर्वितरण के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाना चाहती है।

इजरायल यात्रा के दौरान सैन्य कार्रवाई को लेकर पीएम मोदी की नहीं हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा को लेकर संसद में उठे सवालों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। राज्यसभा में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल वहाब द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारत को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले की पहले से जानकारी थी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सदन में लिखित जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री की 25-26 फरवरी की इजरायल यात्रा के दौरान ऐसी किसी सैन्य कार्रवाई या हमले को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

सांसद अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान हुए समझौतों का ब्योरा मांगा था और साथ ही यह भी पूछा था कि क्या सरकार को यात्रा के अगले ही दिन ईरान पर होने वाले अमेरिकी और इजरायली हमलों का पूर्वानुमान था। विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर की गई इस राजकीय यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था। इस दौरान दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, कृषि, मत्स्य पालन, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल भुगतान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा संपन्न होने के ठीक बाद 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने ईरान के भीतर कई ठिकानों पर बड़े हमले किए थे, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया। इस संयोग के कारण यह सवाल उठने लगे थे कि क्या रणनीतिक साझेदारी के चलते भारत को इसकी पूर्व सूचना दी गई थी। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ-साथ इजरायल ने भी इन दावों को गलत बताया है। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार ने भी स्पष्ट किया कि ईरान पर हमले का निर्णय प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बाद शनिवार तड़के लिया गया था, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता गुरुवार को विफल हो गई थी। सरकार ने दोहराया है कि भारत के इजरायल के साथ संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक प्रगति के साझा एजेंडे पर आधारित हैं। 2026 के लिए दोनों देशों ने आपसी सहयोग को और गहरा करने का एक व्यापक खाका तैयार किया है। फिलहाल, पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच भारत ने साफ कर दिया है कि उसका ध्यान क्षेत्रीय स्थिरता और द्विपक्षीय विकास पर केंद्रित है, न कि किसी सैन्य अभियान की पूर्व जानकारी या भागीदारी पर।

क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे

-एनसीपी के विधायक के बीजेपी में जाने का राउत ने फोड़ा बम, बीजेपी ने किया पलटवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की आहट और शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के मंत्री की डिनर डिप्लोमेसी के बीच संजय राउत ने दावा किया था कि राज्य की सियासत में जल्द भूचाल आएगा। राउत ने भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि आगामी दिनों में शिंदे गुट और एनसीपी (अजीत गुट) के 25 से 30 विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। बीजेपी ने संजय राउत के बयान पर पलटवार किया है। इसमें बीजेपी ने उन्हें यूबीटी पर फोकस करने की नसीहत दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत के इस बयान पर बीजेपी ने शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सदस्य संजय राउत पर हमला बोलते हुए पूछा है कि क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे हैं। दरअसल सांसद संजय राउत अपने फायरब्रांड अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही उनकी एक किताब रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल समेत कपिल सिब्बल को बुलाया था। उन्होंने इस किताब में भी कई धमाके किए हैं, हालांकि ताजा भविष्यवाणी पर बीजेपी ने राउत को घेरा। बीजेपी ने कहा कि भोंदूबाबा खरात जैसे लोगों को ठगते थे, वैसे ही संजूबाबा राउत भविष्यवाणी के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। बीजेपी में कौन सा दल विलय होगा या कौन कहां जाएगा, इस पर बोलने के बजाय अपने गुट पर ध्यान दें।

नवनाथ बन ने कहा कि संजय राउत चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे विधानमंडल में जाएं, लेकिन वे वास्तव में जाएंगे या नहीं, यह कांग्रेस तय करेगी। कांग्रेस की कृपा होगी तभी उद्धव ठाकरे को विधायकी मिलेगी। यूबीटी अस्तित्व में आने से पहले शिवसेना बीजेपी के साथ थी, तब स्वाभिमान और सम्मान था, लेकिन अब आपने अपना स्वाभिमान कांग्रेस के पास गिरवी रख दिया है। विधायकी के लिए सोनिया गांधी के सामने जाकर मुजरा करना पड़ेगा। बन ने कहा था कि देवेंद्र फडणवीस ने क्या बोलना चाहिए, यह बताने के चक्कर में राउत को नहीं पड़ना चाहिए। यूबीटी गुट कांग्रेस में विलय होने वाला है और इसकी जिम्मेदारी संजय राउत ने ली है, ऐसा आरोप भी उन्होंने लगाया।

ममता की बढ़ेगी चिंता... भाईजान औवेसी ने बंगाल चुनाव में उतार दिए 12 प्रत्याशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस) ।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शुक्रवार को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपने 12 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। औवेसी की पार्टी ने रघुनाथगंज से इमरान सोआंकी, आसनसोल उत्तर से दानिश अजीज, कंडी से मिस्बाहुल इस्लाम खान, सुजापुर से रेजाउल करीम और मोथाबारी से एडवोकेट मोहम्मद मुस्तहिद हक को चुनावी मैदान में उतारा है। नलहाटी से हाजी अंसार एसके साहब और मोरारी से तासीर एसके साहब को अपना प्रत्याशी बनाया है। बारासात से एआईएमआईएम ने मोनाएम सरदार को और करांडीघी से महबूब आलम को उम्मीदवार बनाया है। सूती से असदुल एसके, बसीरहाट दक्षिण से शबाना परवीन और हबरा से आसिक राज ममोंडल को मनोनीत किया गया है। बात दें कि एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर द्वारा गठित आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हिस्सेदारी पर असर पड़ने की उम्मीद है। आगामी चुनाव को मुख्य रूप से सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है।

गर्मी के बीच मौसम का यू-टर्न: उत्तर भारत में ओलावृष्टि और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जहां एक ओर गर्मी ने दस्तक दे दी है, वहीं दूसरी ओर कुदरत के बदलते मिजाज ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को ताजा पूर्वानुमान जारी करते हुए देश के बड़े हिस्से में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। इस मौसमी बदलाव का सबसे ज्यादा असर उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में देखने को मिल रहा है, जहां आने वाले दिनों में मौसम काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में 3 से 8 अप्रैल के बीच झमाझम बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मैदानी इलाकों की बात करें तो पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी अगले कुछ दिनों तक बादल बरसने के आसार हैं। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 7 और 8 अप्रैल को हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद के ऊंचाई वाले इलाकों में इस दौरान बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश का दौर जारी रहेगा।

ओलावृष्टि को लेकर जारी चेतावनी खेती-किसानी के नजरिए से चिंताजनक है। मौसम विभाग ने बताया है कि 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ हिस्सों में ओले गिर सकते हैं। इसके अलावा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में भी 4 और 5 अप्रैल को ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों में भी बादलों का डेरा रहेगा। मध्य प्रदेश में 3 और 4 अप्रैल को ओले गिरने की संभावना है, जबकि छत्तीसगढ़ में 4 अप्रैल को मौसम बिगड़ सकता है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और झारखंड में भी अगले 5 दिनों तक बारिश का दौर बना रहेगा। पूर्वोत्तर की ओर नजर डालें तो असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और गुजरात के कुछ हिस्सों में भी छिटपुट बारिश की उम्मीद जताई गई है। गर्मी के इस मौसम में अचानक हुई इस बेमौसमी बरसात और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान में गिरावट दर्ज की है, बल्कि फसलों के लिए भी संकट पैदा कर दिया है।

चुनाव परिणाम के बाद हिंसा रोकने के लिए चुनाव आयोग ने उठाया कदम

बंगाल में तैनात रहेंगी केंद्रीय पुलिस बल की 500 कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि बंगाल में वोटिंग पूरी होने के बाद भी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान तैनात रहेंगे। एक प्रेस नोट में चुनाव आयोग ने कहा कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए अगले निर्देश जारी होने तक राज्य में रहेंगी।

चुनाव आयोग ने ये कदम चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतगणना पूरी होने के बाद भी अगले आदेश तक सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए पश्चिम बंगाल में तैनात रहेंगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने खास तौर पर चुनाव के इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियों को बनाए रखने का भी फैसला किया है। इन फोर्स को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा का काम सौंपा जाएगा, और ये काउंटिंग प्रोसेस पूरी तरह से पूरा होने तक वहीं रहेंगी। बयान में आगे कहा गया, ईवीएम/स्ट्रांग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियां राज्य में रहेंगी और राज्य में काउंटिंग पूरी होने तक तैनात रहेंगी।

उम्र के आधार पर तय होगा नाबालिग सोशल मीडिया पर सक्रिए रहेंगे या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार बच्चों और किशोरों द्वारा सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और उससे जुड़े जोखिमों को देखते हुए नए दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार कर रही है। सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय एक ऐसा संतुलित मॉडल विकसित करना है, जिसमें उम्र के आधार पर अलग-अलग स्तर की पहुंच और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चा का दौर जारी है।

प्रस्तावित नियमों के तहत मुख्य रूप से पेरेंटल कंट्रोल यानी अभिभावकों के नियंत्रण को मजबूत करने, स्क्रीन टाइम की एक निश्चित सीमा तय करने और कुछ संवेदनशील फीचर्स पर रोक लगाने जैसे सुझावों पर ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उम्र की जांच के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण बच्चे गलत जानकारी देकर आसानी से अकाउंट बना लेते हैं, जिसे रोकने के लिए सरकार अब अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से उन्नत पहचान प्रणालियों पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी यह तय होना बाकी है कि न्यूनतम उम्र सीमा 13 वर्ष रखी जाए या इसे बढ़ाकर 16 वर्ष किया जाए। इस योजना के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच देखी जा रही है, जहां अक्सर एक ही मोबाइल फोन पूरे परिवार द्वारा साझा किया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में उपयोगकर्ता की सटीक उम्र की पहचान करना और नियमों को कड़ाई से लागू करना काफी जटिल होगा। साथ ही, यदि उम्र सीमा 16 या 18 वर्ष तय की जाती है, तो डिजिटल पहुंच सीमित होने और गोपनीयता (प्राइवेसी) से जुड़े नए कानूनी सवाल भी खड़े हो सकते हैं। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बच्चों को ऑनलाइन उपलब्ध हानिकारक सामग्री और साइबर खतरों से सुरक्षित रखना है। इसके लिए आईटी नियमों में आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं ताकि प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय की जा सके। फिलहाल, सभी संबंधित पक्षों से राय ली जा रही है और एक व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही इस दिशा में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, ताकि डिजिटल सुरक्षा और सूचना तक पहुंच के बीच एक सही संतुलन बना रहे।

2 सब का सपना हिंदी दैनिक
विचार मंथन
अमरोहा
शनिवार 04 अप्रैल 2026
www.sabkasapna.com

होर्मुज जलडमरूमध्य का संकट वैश्विक कूटनीति,ऊर्जा सुरक्षा और भारत की संतुलित रणनीति

बिनोद कुमार सिंह

संक्षेप में होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें यह सिखाता है कि आज की दुनिया में स्थिरता केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती।जब तक वैश्विक स्तर पर सहयोग, संवाद और संतुलन नहीं होगा, तब तक इस प्रकार के संकट बार-बार सामने आते रहेंगे।

वर्तमान परिपेक्ष में दुनिया में यदि कोई एक समुद्री मार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था की धड़कन को नियंत्रित करता है, तो वह है होर्मुज जलडमरूमध्य।फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह संकरा मार्ग केवल भौगोलिक सीमाओं का हिस्सा नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का सबसे संवेदनशील द्वार बन चुका है।जब भी इस क्षेत्र में हलचल होती है, उसकी गूंज केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एशिया, यूरोप और अफ्रीका तक महसूस की जाती है। हाल के घटनाक्रमों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि होर्मुज में उत्पन्न संकट किसी एक देश या क्षेत्र का मसला नहीं,बल्कि पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ प्रश्न है।यही कारण है कि ब्रिटेन की पहल पर 60 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ एक उच्चस्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। यह केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि वैश्विक चिंता और सामूहिक समाधान की तलाश का संकेत भी था।इस बैठक में भारत की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। भारत की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि वह अब केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं,बल्कि वैश्विक विमर्श को दिशा देने वाला जिम्मेदार देश बन चुका है।भारत का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने किया,जिन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में निर्बाध आवागमन और नौवहन की स्वतंत्रता किसी भी वैश्विक व्यवस्था की आधारशिला है।सच्चाई यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाला तेल केवल ईंधन नहीं, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था का प्रवाह है।प्रतिदिन लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है।ऐसे में जब इस क्षेत्र में जहाजों पर हमले होते हैं,नाविक फंसते हैं और आवागमन बाधित होता है, तो उसका असर सीधे वैश्विक बाजारों पर दिखाई देता है।आज की स्थिति में 25 से अधिक जहाजों को निशाना बनाए जाने और हजारों नाविकों के फंसे होने की घटनाएं केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वैश्विक असुरक्षा की कहानी कहती हैं।इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए यवेट कूपर ने इस संकट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया और इसे वैश्विक आर्थिक सुरक्षा पर सीधा आघात बताया।उनके अनुसार, इस स्थिति ने न केवल तेल और गैस

की आपूर्ति को प्रभावित किया है,बल्कि जेट ईंधन,उर्वरक और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता को भी संकट में डाल दिया है।इस वैश्विक संकट का सबसे बड़ा प्रभाव उन देशों पर पड़ रहा है,जो इस संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं,लेकिन इसकी कीमत चुका रहे हैं। एशिया और अफ्रीका के विकासशील देश,जिनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही दबाव में है,इस अस्थिरता के कारण और अधिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।भारत के लिए यह स्थिति और भी अधिक गंभीर है।देश की ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है और होर्मुज उसका प्रमुख मार्ग है।ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की बाधा भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित करती है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी यह स्पष्ट किया कि भारत इस संकट को केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा विषय मानता है।वर्तमान की स्थिति संवेदनशीलता इस बात से भी समझी जा सकती है कि हाल के हमलों में भारतीय नाविकों की जान गई है।यह केवल एक मानवीय त्रासदी नहीं,बल्कि भारत की समुद्री सुरक्षा और वैश्विक उपस्थिति के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है।ऐसे समय में भारत ने जिस परिपक्वता का परिचय दिया है,वह उसकी विदेश नीति की गहराई को दर्शाता है।भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस संकट का समाधान युद्ध या सैन्य कार्रवाई में नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति में निहित है।यह दृष्टिकोण भारत की ह्वरणनीतिक स्वायत्तताह्व की नीति के अनुरूप है,जिसमें वह किसी शक्ति गुट का हिस्सा बने बिना अपने हितों को संतुलित ढंग से साधता है।कीर स्टार्मर की पहल पर आयोजित इस बैठक में भारत ने यह संदेश दिया कि तनाव को कम करना और सभी पक्षों को वार्ता की मेज पर लाना ही इस संकट से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता है।यह रुख न केवल व्यावहारिक है,बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों और सिद्धांतों के अनुरूप भी है।अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून, विशेषकर संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (UNCLOS),यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी देश को अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बाधा उत्पन्न करने का अधिकार नहीं है।ऐसे में होर्मुज का संकट इन सिद्धांतों की भी परीक्षा ले रहा है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है,तो यह वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए खतरनाक उदाहरण बन सकती है।इस संकट का प्रभाव केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला,जो पहले ही कई झटकों से कमजोर हो चुकी है, अब एक और बड़े दबाव का सामना कर रही है। परिवहन लागत में वृद्धि,वस्तुओं की कमी और महंगाई का बढ़ता दबाव-ये सभी संकेत एक व्यापक आर्थिक संकट की ओर इशारा कर रहे हैं।भारत के सामने इस चुनौती से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनाने की आवश्यकता है।ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, सामरिक भंडारण को मजबूत करना,अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना और समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करना - ये सभी कदम समय की मांग हैं।

संक्षेप में होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें यह सिखाता है कि आज की दुनिया में स्थिरता केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकती।जब तक वैश्विक स्तर पर सहयोग, संवाद और संतुलन नहीं होगा, तब तक इस प्रकार के संकट बार-बार सामने आते रहेंगे।

भारत ने इस कठिन समय में जिस संयम,संतुलन और दूरदर्शिता का परिचय दिया है, वह उसे एक जिम्मेदार और परिपक्व वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है। अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरा विश्व एकजुट होकर इस संकट का स्थायी समाधान खोजे, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसी जीवनरेखा भविष्य में किसी भी प्रकार के तनाव का शिकार न बने और वैश्विक शांति व समृद्धि का मार्ग अविरल बना रहे।

संपादकीय

जिंदगी निगलती भीड़

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून-व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार-पीटकर किसी की हत्या कर देने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है क्योंकि निहित स्वार्थी तत्व अकसर निर्दोष लोगों को जाति व संप्रदाय के नाम पर अपने बहुलता वाले इलाके में शिकार बना लेते हैं। प्रश्न यह भी है कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारों की तरफ से जमीनी स्तर पर कारगर कदम उठाने की पहल क्यों नहीं होती? जाहिर बात है कि व्यक्ति विशेष के शक के आधार पर निशाना बनाने वाले लोगों में कानून का डर न के बराबर ही होता है। साथ ही आसपास के लोगों का महज तमाशबीन बन रहना भी भीड़ के अराजक व्यवहार को बढ़ावा देता है। वाराणसी की घटना में जिस तरह किशोर को घर से बुलाकर सड़क पर पीटा गया और लोग खामोश रहे, परेशान करने वाला घटनाक्रम ही है। निश्चित रूप से भीड़ द्वारा संदेह के आधार पर किसी की हत्या करना, किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक जैसा है। ऐसे मामलों में पुलिस को भी अपने सूचना तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने की जरूरत है। खासकर उस क्षेत्र के थाने की पुलिस व अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हमारे समाज में संदेह के आधार पर किसी की जान लेने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है, वह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। आये दिन हम सड़कों पर रोड रेज की घटनाएं सुनते और देखते हैं। सड़क में आगे निकलने की होड़ में गोली चलाने और हिंसक प्रतिरोध की घटनाएं अकसर सामने आती हैं। पिछले दिनों देहरादून में आगे निकलने की होड़ में दो कारों में सवार लोगों की गोलीबारी में सड़क पर सैर कर रहे सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की हत्या की घटना उत्तराखंड में व्यापक जनाक्रोश का विषय बनी। ऐसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि नई पीढ़ी के लोग अपना धैर्य, विवेक तथा संवेदनशीलता खोते जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्म को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अनन्त काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कम में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक होता है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जाति और ट्रॉमा : साहित्य, मनोविज्ञान और शोध की बहुआयामी चर्चा

नई दिल्ली (सब का सपना):- सृजन साहित्य संवाद द्वारा आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम ह्वजाति और ट्रॉमा का समापन सत्र आज शाम 7 बजे फेसबुक लाइव पर संपन्न हुआ। प्रसिद्ध नारीवादी। चिन्तक और सहित्यकार अनिता भारती के संयोजन में चले इस महत्वपूर्ण संवाद ने जाति-व्यवस्था से उत्पन्न सामूहिक, व्यक्तिगत और अंतर-पीढ़ीगत ट्रॉमा, उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव तथा साहित्यिक, चिकित्सकीय और शोध-आधारित हीलिंग की संभावनाओं पर गहन चर्चा की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में शामिल थीं तमिल दलित साहित्य की प्रमुख लेखिका पी. शिवकामी, दलित मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. वैशाली सोनावणे, मराठी दलित लेखिका छाया कोरेगांवकर, वरिष्ठ पत्रकार, कवि और साहित्यकार प्रियदर्शन तथा शोधार्थी अनुरति। संचालन अनिता भारती ने किया।

पी. शिवकामी ने अपनी रचनाओं द ग्रिप ऑफ चेंज और द टेमिंग ऑफ वुमन के माध्यम से दलित महिलाओं पर जाति और लिंग की दोहरी हिंसा,

यौनिक शोषण तथा इससे उपजे गहरे ट्रॉमा को उजागर किया। उन्होंने कहा कि साहित्य पीड़ा को दर्ज करने के साथ-साथ उसे चुनौती देने का भी शक्तिशाली हथियार है।

डॉ. वैशाली सोनावणे दलित कीमिया और कीमिया हीलिंग हब की संस्थापक

ने ट्रॉमा-इनफॉर्म्ड हीलिंग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अंतर-पीढ़ीगत ट्रॉमा, जातिगत घावों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव और डिग्निटी की वापसी की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, जाति से उत्पन्न अपमान और हिंसा का ट्रॉमा मस्तिष्क और भावनाओं पर गहरा असर डालता है। हीलिंग तभी संभव है जब हम इस ट्रॉमा को नाम देकर स्वीकार करें और सामूहिक रूप से उसका सामना करें।

छाया कोरेगांवकर ने दलित स्त्रियों के दैनिक दुख, सामाजिक अत्याचार और लैंगिक संघर्षों को अपनी रचनाओं के जरिए रोखठोक तरीके से प्रस्तुत किया तथा साहित्य को ट्रॉमा से उबरने का सशक्त माध्यम बताया। प्रियदर्शन एनडीटीवी इंडिया के वरिष्ठ संपादक, कवि और साहित्यकार ने अपनी कविताओं और अनुभवों के माध्यम से जाति-ट्रॉमा के सामाजिक-राजनीतिक आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जातिगत ट्रॉमा पूरे समाज की स्मृति और संरचना को प्रभावित करता है।

शोधार्थी अनुरति ने जाति और ट्रॉमा के शोध-आधारित पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने समसामयिक शोधों के संदर्भ में चर्चा की कि कैसे जातिगत हिंसा और अपमान का ट्रॉमा शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संबंधों में निरंतर सक्रिय रहता है।

वक्ताओं ने सर्वसम्मति से कहा कि जाति शिक्षा, रोजगार, विवाह, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य जैसे हर क्षेत्र में छाया की तरह फैली हुई है। मुख्यधारा की मनोचिकित्सा अक्सर जातिगत वास्तविकताओं को नजरअंदाज कर देती है, इसलिए जाति-संवेदनशील हीलिंग मॉडल विकसित करने की तत्काल जरूरत है।

कार्यक्रम में यह बात बार-बार उभरी कि दलित साहित्य ट्रॉमा को मात्र दर्ज नहीं करता, बल्कि उसे प्रतिरोध और मुक्ति की भाषा प्रदान करता है। अनिता भारती ने समापन में कहा कि ऐसे संवाद समाज के छिपे घावों को उजागर करने और उन्हें भरने की दिशा में एक सार्थक प्रयास हैं।

फेसबुक पर प्रसारित इस कार्यक्रम को सैकड़ों दर्शकों ने देखा और सक्रिय रूप से भाग लिया। कई श्रोताओं ने अपनी प्रतिक्रियाओं में बताया कि यह चर्चा उनके व्यक्तिगत और सामूहिक अनुभवों से गहराई से जुड़ी थी। जाति और ट्रॉमा जैसे संवेदनशील विषय पर सृजन साहित्य संवाद का यह दो दिवसीय कार्यक्रम समकालीन साहित्यिक, शोधात्मक और सामाजिक विमर्श में एक महत्वपूर्ण योगदान साबित हुआ। इसने स्पष्ट किया कि ट्रॉमा की चर्चा बिना जाति को समझे अधूरी रहेगी और हीलिंग की राह भी जातिगत यथार्थ को स्वीकार किए बिना नहीं निकल सकती।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। ह्वस्वाइप संस्कृतिह्व ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

भाकियू संयुक्त मोर्चे का 104वां दिन भी धरना प्रदर्शन जारी

किसान संगठन के द्वारा जुबिलेंट फैक्ट्री के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चे का 104वां दिन भी धरना प्रदर्शन हाईवे किनारे ठल9 पर नाईपुरा शाहबाजपुर डोर में जारी रहा। मुख्य सचिव अरुण सिद्धू ने कहा कि गजरौला क्षेत्र का पानी जहरीला करने वाली जुबिलेंट फैक्ट्री के खिलाफ 5 तारीख को मोर्चा खोला जाएगा। यदि अधिकारियों ने ठोस कार्यवाही नहीं की तो फैक्ट्री के सारे गेटों पर ताला लगाया जाएगा। सिद्धू ने कहा कि 5 तारीख के बाद टेंट लगाकर जुबिलेंट फैक्ट्री के गेट के आगे धरना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो राजनेता फैक्ट्री के गेस्ट हाउस में आकर लुफ्त उठाते हैं,

उनके खिलाफ भी मोर्चा खोला जाएगा।

गजरौला क्षेत्र का किसान जहरीला पानी पीकर हर रोज अपनी जान गवा रहे हैं और गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान ने कहा कि शुद्ध पानी पीने का सबका अधिकार है और जिस फैक्ट्री के द्वारा यह पानी जहरीला किया गया है, उसकी तालाबंदी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन फैक्ट्री को बचाने का काम कर रहा है, लेकिन अब फैक्ट्री को बचा नहीं पाएगा। गजरौला क्षेत्र का किसान अब जागरुक हो चुका है और अपने हक की लड़ाई संयुक्त मोर्चा के बैनर तले हर रोज लड़ाई लड़ने का काम कर रहा है। कहा कि अब क्षेत्र का किसान जागरूक हो चुका है और सीएसआर फंड का जो पैसा नेताओं के ऊपर खर्च किया जा रहा है अब उस पैसे का भी हिसाब लिया जाएगा। इस दौरान अरुण सिद्धू, रामकृष्ण चौहान, गंगाराम सिंह, होमपाल सिंह, प्रकाश सैनी, ओम प्रकाश सिंह, नूर चौधरी, पृथ्वी सिंह, प्रेम सिंह, राम प्रसाद सिंह, विजयपाल सिंह, समरपाल सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

थाना रहरा पुलिस ने चोरी करने वाले छह अभियुक्त किए गिरफ्तार

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रहरा क्षेत्रान्तर्गत नलकूपो से बिजली मोटर व अन्य सामान चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने चौरी किया गया सामान बरामद करते हुए 06 अभियुक्त गिरफ्तार किए हैं।

आपको बता दे कि थाना रहरा पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के पतेई खादर मे जेबडा की तरफ बनी पुलिया के पास से किसानो के खेत में बने नलकूपको से बिजली की मोटर व अन्य सामान चोरी कर ले जाने वाले गिरोह के 06 अभियुक्त अंकित, गौतम, अनुज, निशांत, निपेन्द्र, रिफाकत को गिरफ्तार कर इनसे चोरी

की गयी एक अदद मोटर बिजली ट्यूबवेल व चार मोटर बाडी खोखा व एक अदद वजन करने वाला इलेक्ट्रोनिक काटा तथा चोरी का सामान एक जगह से दूसरी जगह सामान ले जाने के लिये उपयोग में आने वाला एक अदद टैम्पो लोडर रंग नीला नम्बर वढ23अळ4560 तथा 04 अदद मोबाइल फोन बरामद किये गये है। जिसके सम्बन्ध में मु0अ0सं0 084/2026 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्तों द्वारा थाना रहरा क्षेत्र में किसानो के नलकूप से मोटर चोर किये गये तथा गिरफ्तारी के समय भी सभी टेम्पो लेकर चोरी करने के इरादे से क्षेत्र में घूम रहे थे जिनको घटना करने से पहले ही पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके बाद पुलिस के द्वारा विधिक कार्यवाही करते हुए अंकित व गौतम, अनुज, निशान्त, निपेन्द्र व रिफाकत को सम्बन्धित न्यायालय अपर सिविल जज (जू0डि0)/जे0एम0 हसनपुर भेजा गया है।

मिशन शक्ति टीम के साथ पुलिस अधीक्षक ने की गोष्ठी

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा पुलिस कार्यालय स्थित सभागार में मिशन शक्ति टीम के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मिशन शक्ति अभियान की कार्य प्रणाली की विस्तार से समीक्षा की गई तथा महिला अपराधों के सम्बन्ध में प्रचलित प्रकरणों का गहन विश्लेषण किया गया। उन्होंने महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं अपराधों की रोकथाम हेतु प्रभावी एवं सक्रिय कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि महिलाओं से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़िताओं के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उन्हें त्वरित न्याय दिलाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। साथ ही मिशन शक्ति के अंतर्गत चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने, स्कूल/कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा आमजन, विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।

धनौरा में बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने को लेकर मेंटेनेंस अभियान की शुरूआत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में गर्मियों में निर्बाध आपूर्ति के लक्ष्य को लेकर मेंटेनेंस अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के तहत गर्मियों के शुरू होने से पहले उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग ने सघन मेंटेनेंस अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्मियों में होने वाली बिजली कटौती लो वोल्टेज और ट्रिपिंग जैसी समस्याओं को पहले ही दूर करना है।

बता दें कि विभाग के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर मंडी धनौरा शहर के विभिन्न इलाकों में जर्जर तारों और पुराने उपकरणों को बदला जा रहा है, पुरानी एलटी

लाइनों को हटाकर नई केबल डाली जा रही है ,जिससे बिजली आपूर्ति अधिक सुरक्षित और सुचारू रह सके। इसके साथ ही ट्रांसफार्मरों पर ढीले लग और लीड को भी ठीक किया जा रहा है ताकि स्पार्किंग और तकनीकी खराबियों से बचा जा सके। कार्य का निरीक्षण करते हुए एसडीओ राजन कुमार ने बताया कि मेंटेनेंस कार्य पूरी पारदर्शिता और तेजी से किया जा रहा है ,उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य गर्मियों में बढ़ने वाले अतिरिक्त लोड को ध्यान में रखते हुए सिस्टम को मजबूत करना है। इसके अलावा एसडीओ ने स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को समय पर बिजली बिल जमा करने की अपील की है,उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर राजस्व वसूली से ही विभाग बुनियादी ढांचे में सुधार कर सेवाएं दे सकता है, साथ ही उन्होंने चेतावनी दी की बकाया रहने पर नियम अनुसार कनेक्शन काटने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने मौके पर मौजूद टीम को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। विभाग की इस पहल से स्थानीय लोगों में राहत की भावना है ,नागरिकों को उम्मीद है कि इस बार गर्मी में बिजली से जुड़ी किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

पुलिस अधीक्षक ने किया थाना अमरोहा देहात का आकस्मिक निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नवागंतुक पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव द्वारा थाना अमरोहा देहात का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। थाना अमरोहा देहात में स्थापित किये गये सीसीटीवी कन्ट्रोल रुम आदि का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड को चेक किया व सभी तिराहो/चौराहों एवं मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा त्योहार रजिस्टर आदि अभिलेखों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यालय का निरीक्षण करते हुए अपराध रजिस्टर का निरीक्षण किया गया और थाना परिसर में खडें माल मुकदमाती एवं लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान त्यौहार रजिस्टर, टॉप-10 अपराधियों की सूची का अवलोकन कर अपराधियों पर और अधिक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा शराब, खनन, पशु, वन भूमाफिया आदि माफियाओं के बारे मे जानकारी कर इस प्रकार के अपराधो मे संलिप्त अभियुक्तों पर गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत की गई कार्यवाही तथा उनके विरुद्ध पंजीकृत किये गए गैंगस्टर अधि0 के अभियोगो मे वांछित अभियुक्तों की स्थिति की समीक्षा की गई। जिसके बाद हिस्ट्रीशीटर्स की समय-समय पर चैकिंग करने एवं फ्लाई सीट में चेकिंग की प्रविष्टियां पूर्ण कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । निरीक्षण के पश्चात थाना प्रभारी से वार्ता कर कुशलक्षेम लिया गया और महिला सम्बन्धित शिकायतों/अपराधों को प्राथमिकता पर लेते हुये गुण-दोष के आधार पर निष्पक्ष, त्वरित, प्रभावी कार्यवाही करने हेतु बताया गया। मिशन शक्ति अभियान के तहत अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित कराकर महिलाओं को जागरुक करने हेतु निर्देशित किया गया। महिला सशक्तिकरण, जनमानस की समस्याओं के निस्तारण व अपराध नियंत्रण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये । छोटी से छोटी घटना का संज्ञान लेकर त्वरित कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया ।

आम जनता के लिये स्वच्छ वातावरण स्थापित करते हुये जन सामान्य के बैठने एवं स्वच्छ पेय जल व प्रसाधन आदि की व्यवस्था करने तथा थाने को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान के साथ वृक्षारोपण आदि करने हेतु प्रभारी थाना अमरोहा देहात को निर्देशित किया गया ।

हसनपुर पुलिस ने अवैध तमंचे व जिंदा कारतूस के साथ युवक को किया गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की हसनपुर पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने गिरफ्तार युवक के कब्जे से एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है और अपराध की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया है। बता दें कि शुक्रवार को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह के निर्देश अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कोतवाली पुलिस ने एक युवक को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया तथा उसके कब्जे से एक जिंदा कारतूस भी

बरामद किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव मुबारकपुर कला में एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ मौजूद है सूचना के आधार पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और गांव मुबारकपुर कला निवासी संजू पुत्र नवल किशोर को गिरफ्तार कर लिया ।तलाशी के दौरान संजू के पास से एक 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। हसनपुर थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध की संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि जनपद में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे शरारती तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

यातायात पुलिस ने मोडिफाइड साइलेंसर पटाखों जैसी तेज आवाज करने वाले वाहनों पर की कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के कुशल निर्देशन में यातायात पुलिस ने जनपद के विभिन्न स्थानों पर सख्त चेकिंग अभियान चलाया। शुक्रवार को यातायात नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की गई।अभियान के दौरान मोडिफाइड साइलेंसर पटाखों जैसी तेज आवाज), दोषपूर्ण नंबर प्लेट, तीन सवारी, बिना हेल्मेट और वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखने वाले वाहन चालकों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त प्रहार किया गया। कुल 245 चालान जारी किए गए। साथ ही शहर के चौराहों और तिराहों से अतिक्रमण भी हटवाया गया। जिलाधिकारी अमरोहा के आदेश पर 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक चल रहे विशेष अभियान के अंतर्गत स्कूली वाहनों की भी जांच की गई। बिना फिटनेस और बिना परमिट चल रहे 02 स्कूली वाहनों के खिलाफ चालान दर्ज किया गया। यातायात पुलिस ने स्पीड लेजर गन का उपयोग कर ओवर स्पीडिंग करने वाले 133 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की।यह अभियान यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से चलाया गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि जनपद में यातायात अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान निरंतर चलाए जाएंगे।

बछरायूं इन्डेन गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने को लेकर उपभोक्ताओं व कर्मचारियों में नोंक-झोंक, भीड़ का जमावड़ा

दो-दो महिने पहले बुक हुए सिलेंडरों के लिए एजेंसी के चक्कर काटकर खाली हाथ लौट रहे लोग

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील के बछरायूं कस्बे में स्थित इन्डेन गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए उपभोक्ता और कर्मचारियों के बीच जमकर नोक झोक होती दिखाई दी, इस दौरान एजेंसी पर लोग सिलेंडर लेने के लिए एक दूसरे पर घंटों चढ़े रहे लेकिन इसके बावजूद भी कुछ लोग खाली हाथ वापस घर को लौट गए। बता दें कि शुक्रवार को मंडी धनौरा तहसील के बछरायूं कस्बे में स्थित इंडेन गैस की एजेंसी पर सिलेंडर लेने को लेकर उपभोक्ताओं और एजेंसी कर्मचारियों के बीच जमकर नोक झोंक हुई। उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्होंने दो-दो महीने पहले अपने सिलेंडर बुक कर रखे हैं लेकिन उनके घर तक अभी सिलेंडर नहीं पहुंचा है। इतना ही नहीं कुछ उपभोक्ताओं का कहना है कि हमने अपना सिलेंडर बुक कर दिया था, टोकन वाउचर भी मिल गया था लेकिन सिलेंडर घर नहीं पहुंचा और खाते में सिलेंडर की सब्सिडी पहुंच गई है उनका कहना है कि यदि हमारे खाते में सिलेंडर की सब्सिडी पहुंच गई है तो हमारा सिलेंडर आखिर किसके पास गया है। इसके अलावा कस्बा निवासी फरमान ने बताया कि मैंने पिछले माह के 3 मार्च को अपना सिलेंडर बुक किया था मुझे टोकन में मिल गया था और वाउचर भी मिल गया था लेकिन अभी तक सिलेंडर नहीं मिला है एजेंसी पर आता हूं तो एजेंसी कर्मचारी मुझे दूसरी एजेंसी पर जाने के लिए कह देते हैं वहां जाता हूं तो वहां के कर्मचारी मुझे यहां बछरायूं भेज देते हैं इसी तरह से चक्कर लगवा कर मुझे परेशान किया जा रहा है।

फरमान ने कहा कि इस परेशानी को झेलने वाला में अकेला शख्स नहीं हूं यहां पर सैकड़ो लोग इस परेशानी को झेलते हैं और अपने घर खाली हाथ लौट जाते हैं। इस मामले की तह तक जाने के लिए जब सबका सपना अखबार की टीम मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद कुछ उपभोक्ताओं ने गैस की किल्लत की आप बीती सुनाई। इन्डेन गैस के गोदाम में सिलेंडरों का स्टॉक फुल,सिस्टम के ऊपर सवाल उठवाते एजेंसी संचालक आप बीती सुनाते हुए वहां मौजूद लोगों ने कहा कि एजेंसी गोदाम में सरकार की तरफ से गैस सिलेंडर का स्टॉक फुल है लेकिन एजेंसी के कर्मचारी उपभोक्ताओं को जानबूझकर परेशान कर रहे हैं। यह लोग सिलेंडर को ब्लैक करके दुगनी कीमतों में बेच रहे हैं

जिस कारण उपभोक्ता द्वारा बुक किए गए सिलेंडर उनके पास तक नहीं पहुंच रहे हैं, इतना ही नहीं बल्कि एजेंसी कर्मचारी पैसे वाले लोगों को इकट्ठे सिलेंडर दे रहे हैं और अतिरिक्त मुनाफा कमा रहे हैं। इस बारे में जब सबका सपना अखबार की टीम ने एजेंसी संचालक से फोन पर बात करने की कोशिश की तो एजेंसी संचालक ने कई बार फोन करने पर भी फोन रिसीव नहीं किया।अब यहां सवाल यह उठता है कि जब सरकार की तरफ से गैस एजेंसी संचालकों को गैस सिलेंडरों का स्टॉक फुल दिया जा रहा है तो पात्र उपभोक्ता सिलेंडरों की किल्लत आखिर क्यों झेल रहे हैं?

पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म व जबरन गर्भपात के मामले में की कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना आदमपुर क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और जबरन गर्भपात का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने थाने में तहरीर दी थी कि स्थानीय निवासी निर्विकार ने उनकी नाबालिग पुत्री के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता और परिवार ने विरोध किया तो अभियुक्त ने जान से मारने की धमकी दी।

साथ ही बिना सहमति के गर्भपात कराने का भी आरोप लगाया गया। प्राप्त शिकायत के आधार पर थाना आदमपुर पुलिस ने मुकदमा संख्या 60/2026 दर्ज किया। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1), 351(2), 89 तथा POCSO एक्ट की धारा 5/6 शामिल हैं।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में सर्विलांस टीम और थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को अभियुक्त निर्विकार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने महिला एवं बाल सुरक्षा के प्रति अपनी संवेदनशीलता जताते हुए ऐसे गंभीर अपराधों में कठोरतम कार्रवाई का संकल्प दोहराया है। अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी आवेदकों के लिए 6 दिवसीय ईडीपी प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीबीआरसेटी द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के आवेदकों के लिए 6 दिवसीय सामान्य ईडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 7 अप्रैल से किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

आयोजकों ने बताया कि यह प्रशिक्षण बहजोई स्थित सीबीआरसेटी संस्थान में आयोजित होगा, जहां युवाओं को उद्यमिता, व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय जानकारी और सरकारी योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को

आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपना रोजगार शुरू करने के लिए सक्षम बनाना है।

प्रवेश के लिए अभ्यर्थी प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक संस्थान में पहुंच सकते हैं। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को आधार कार्ड की एक प्रति, 5 पासपोर्ट साइज फोटो तथा किसी एक बीपीएल संबंधित दस्तावेज (जैसे राशन कार्ड, मनरेगा कार्ड, एसएचजी दस्तावेज, एससी,एसटी प्रमाण पत्र या प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से संबंधित प्रमाण) साथ लाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, जिन अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना में आवेदन किया है, उन्हें अपने आवेदन पत्र का प्रिंटआउट भी जमा करना होगा।

अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी संतोष कुमार, फैकल्टी सीबीआरसेटी बहजोई (सम्भल) से मोबाइल नंबर 8808222447 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रवेश परीक्षाओं में सफल विद्यार्थियों को किया सम्मानित, शिक्षकों को भी मिला सम्मान

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- फब्बारा चौक स्थित सुभाष प्राइमरी स्कूल में निस्वार्थ एक पहल कोचिंग संस्थान द्वारा मेधावी छात्रों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिसके बाद सभी आगंतुक बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कोचिंग संचालिका कविता शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान लगातार बच्चों को निःस्वार्थ भाव से शिक्षा प्रदान कर रहा है और इसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है। उन्होंने विशेष रूप से छात्रा कु.

शिवांगी (निवासी ग्राम अकबरपुर चितौरी) की सफलता पर खुशी व्यक्त की, जिन्होंने कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में सफलता हासिल की। इसके अलावा एक अन्य छात्रा ने अटल आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में भी सफलता प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया।

समारोह में उन सभी छात्रों को सम्मानित किया गया जिन्होंने विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित कर उनके सहयोग की सराहना की गई। साथ ही कोचिंग में निस्वार्थ भाव से मेहनत कर बच्चों का मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में कविता शर्मा, सुनीता शर्मा, रितिका, संजय, राजेंद्र, राहुल, प्रणव, अंकुर, विश्वनाथ, सत्यवीर, मनोज, राम प्रताप, राजकुमार, अदिति सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

महिलाओं एवं बलिकाओं को जागरूक कर वितरित किये गये पम्पलेट

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडिल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी /सहायक नोडल मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को जनपद की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन

शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ युवा व्यापारियों का अनोखा प्रदर्शन

किताब–कॉपियों को तराजू पर तौलकर जताया विरोध, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- नगर चंदौसी में अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मण्डल की युवा इकाई के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय ह्यअन्नू के नेतृत्व में गुरुवार को निजी विद्यालयों की मनमानी के खिलाफ युवा व्यापारियों ने अनोखा एवं प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस दौरान व्यापारियों में खासा रोष देखने को मिला।

प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने किताबों और कॉपियों को प्रतीकात्मक रूप से तराजू पर रखकर रुपयों के साथ तौला। इस अनोखे तरीके से उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि शिक्षा के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है और किताब-कॉपियों को अत्यधिक महंगे दामों पर बेचा जा रहा है।

व्यापारियों का आरोप है कि निजी विद्यालय प्रबंधन अभिभावकों पर जबरन महंगी प्राइवेट किताबें,

कॉपियां और निर्धारित दुकानों से ही स्कूल ड्रेस खरीदने का दबाव बना रहे हैं, जिससे अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ बढ़ रहा है और स्थानीय व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार कुछ विद्यालय अपनी खुद की कॉपियां छपवाकर छात्रों को बेच रहे हैं, जिससे पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि स्कूल संचालकों और बुक सेलरों की मिलीभगत से कोर्स के नाम पर लूट मची हुई है। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष जिलाधिकारी द्वारा इस मामले में कार्रवाई करते हुए जुमार्ना भी लगाया गया था, बावजूद इसके स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि 40 से 50 प्रतिशत तक कमीशनखोरी चल रही है और कई स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबें भी नहीं लगाई जा रही हैं।

वहीं नगर महामंत्री शुभम अग्रवाल ने कहा कि निर्धारित दुकानों से ही सामग्री खरीदने की बाध्यता पूरी तरह गलत है। इससे अभिभावकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है और स्थानीय व्यापारियों के साथ अन्याय होता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। युवा व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की कि निजी विद्यालयों की इस मनमानी पर तत्काल रोक लगाई जाए और अभिभावकों को राहत दी जाए। इस मौके पर अनुज वार्ष्णेय, शुभम अग्रवाल, मयंक वार्ष्णेय चिंकल, अमित वार्ष्णेय, हर्षित गौड़, अंशुल वार्ष्णेय, गोविंद वार्ष्णेय, आशीष गुप्ता सहित कई व्यापारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

भजन कीर्तन व प्रसाद वितरण कर मनायी गई हनुमान जयंती

स्योहारा/बिजनौर(सब का सपना):- गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी ग्राम माहुपुरा में हनुमान जयंती का पर्व बहुत ही श्रृद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया । हनुमान मंदिर पर आयोजित कार्यकम में श्रद्धालु सुबह से ही भगवान हनुमान की भक्ति में लीन रहे और सुन्दर कांड का पाठ किया । इसके पश्चात पंडित दिनेश कुमार शर्मा ने वैदिक मंत्रो उच्चारणों से हवन-यज्ञ सम्पन्न कराया । इस हवन पूजा के द्वारा क्षेत्र में, व प्रदेश

में एवं देश में सुख-समृद्धि और खु-शहाली की कामना की गई। इसके उपरान्त विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया । जिसमें ग्रामीणों ने और क्षेत्र से आए असंख्य श्रृद्धालुओं ने प्रसाद एवं भोजन ग्रहण किया । सभी भक्तों ने भगवान हनुमान जी की प्रतिमा के आगे अपने परिवार में सुख-शांति के लिए मन्नते मांगी । प्रसाद वितरण के पश्चात शाम से लेकर मध्य रात्री तक पवन पुत्र हनुमान जी के भजन कीर्तन का प्रोग्राम रहा। इस अवसर पर ऋषिपाल त्यागी, अतुल कुमार त्यागी, डॉ० खु-शीराम सिंह सैनी, भूदेव कुमार त्यागी, सुनील कुमार सैनी, रवि कुमार सैनी, प्रदुम कुमार त्यागी आदि सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शीतला माता मंदिर पर विशाल भंडारे का किया गया आयोजन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- श्री बालाजी सत्संग मंडल द्वारा हनुमान जन्मोउत्सव के पावन अवसर पर शीतला माता मंदिर पर संदीप जैन गुरुजी चांदपुर वाले व उनके सेवादारों ने संकट मोचन हवन यज्ञ, सुन्दर काण्ड व हनुमान चालीसा का आयोजन कर भोग प्रसाद के पश्चात कन्याओं को भोग लगाकर विशाल भंडारे का आयोजन किया। हजारों लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया गया।

शीतला माता मंदिर स्थित मन्दिर के पुजारी पंडित अजय तिवारी द्वारा कराए बालाजी महाराज का संकटमोचन भव्य हवन यज्ञ में यजमान सुमित अग्रवाल व उनकी धर्मपत्नी इतिका अग्रवाल एंव अमित गुप्ता व उनकी धर्मपत्नी नीतू गुप्ता रही। उसके बाद सैकड़ो भक्तजनो की भीड़ ने बालाजी महाराज के भक्तों व झालू से आई भजन कीर्तन मंडली द्वारा किये गए सुन्दर काण्ड पाठ को बड़े ही भक्तिभाव से सुना व भावविभोर होकर भजन कीर्तन के रूप में बाबा का गुणगान किया। बाद में बालाजी महाराज को भोग लगाकर कन्याओ को भोग लगाया गया। तत्पश्चात भोग प्रसाद वितरण कर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयोजको में गुरुजी संदीप जैन चांदपुर वाले, विशाल त्यागी, डॉक्टर मुकुल गुप्ता, सुमित अग्रवाल, अमित गुप्ता, विपिन कुमार, विकास मित्तल, हिमांशु, संजीव अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, गोविंद जी, मनोज गुप्ता, अरुण कुमार बिश्नोई, सुशील कुमार अग्रवाल, डॉक्टर अंजु बिश्नोई, कुमारी जूही बिश्नोई, सोनिया सचदेवा व स्वाति गुप्ता सहित हजारों सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद रहे।

आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक सवार घायल

झालू/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के झालू-गोलबाग मार्ग पर शुक्रवार शाम एक सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा शाम लगभग 4:35 बजे हुआ। गाँव चौकपुरी थाना हीमपुर दीपा निवासी रवि 30 वर्ष पुत्र खिलेंद्र, अपनी हीरो होंडा स्प्लेंडर बाइक से झालू से गोलबाग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा गोलबाग से आ

रहे एक छोटा हाथी से टक्कर हो गई। छोटा हाथी को झालू कस्बे का निवासी देवेन्द्र पुत्र टीकम सिंह चला रहा था। टक्कर के बाद रवि सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुँचे। घायल युवक को तुरंत एंबुलेंस की मदद से परिजनों के साथ जिला चिकित्सालय बिजनौर के लिए रेफर कर दिया गया है, जहाँ उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया है। वर्तमान में क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस वाहन को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

झालू नगर मे गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

झालू/बिजनौर (सब का सपना):- नगर मे गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बृहस्पतिवार को हनुमान जन्मोत्सव का पर्व बहुत ही श्रृद्धा भाव के साथ मनाया गया। जिसमें मुख्य बाजार स्थित झंडा चौक शिव मंदिर पर आयोजित कार्यकम में श्रद्धालु सुबह से ही भगवान हनुमान की भक्ति में लीन रहे और मंदिर को फूलों की मालाओं में गुब्बारों से सुंदर सजाया गया। वही मंदिर कमेटी के सदस्यों ने बाला जी महाराज का भव्य श्रृंगार किया। फिर भक्तों ने हनुमान जी महाराज का सुन्दरकांड का पाठ किया। सभी भक्तों ने भगवान हनुमान जी की प्रतिमा के आगे अपने परिवार में सुख-शांति की कामना की ओर आशीर्वाद लिया।

इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को बूंदी के लडडू का प्रसाद वितरण किया गया। वही दूसरी ओर रामलीला मैदान स्थित हनुमान मंदिर पर श्री रामचरितमानस का खंड पाठ किया गया। इस अवसर पर पंडित सुरेश शर्मा विशु शर्मा, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नितिन शर्मा, अमित अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, सोमप्र-काश, पीयूष, निशांत, प्रशांत, हिमांशु, अनमोल, प्रांजल, मधुर, विकास, प्रफुल, कुंज, तेजस, अगम आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

लकड़ी माफिया प्रकरण मे वायरल वीडियो से मचा बवाल, मुकदमा दर्ज

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के अफजलगढ़झरेहड़ क्षेत्र में अवैध लकड़ी तस्करी के मामले ने उस समय तूल पकड़ लिया, जब एक कथित वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में एक व्यक्ति वनकर्मियों के खिलाफ आपत्तिजनक साजिश की बात करता सुनाई दे रहा है, जिससे प्रशासन और वन विभाग में हड़कंप मच गया। घटना बुधवार की बताई जा रही है, जब वन विभाग की टीम ने अफजलगढ़ क्षेत्र में अवैध लकड़ी से भरी एक पिकअप वैन को पकड़ा। आरोप है कि टीम से बचने के प्रयास में तस्करों ने मीरापुर चौराहे के पास लकड़ी उतार दी, लेकिन टीम ने आ-रोपितों को पकड़ लिया।

जब वनकर्मी आरोपितों को लेकर जा रहे थे, तभी रास्ते में कुछ लोगों ने हस्तक्षेप किया और कथित रूप से एक आरोपी को छुड़ा लिया। इस दौरान वनकर्मियों के साथ अभद्रता और गाली-गलौज की भी बात सामने आई है।

इसी घटनाक्रम से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें एक कथित पदाधिकारी वनकर्मियों के खिलाफ झूठे दुष्कर्म मुकदमे दर्ज कराने की बात करता सुनाई दे रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया।

वन विभाग ने वीडियो को उच्च अधिकारियों और शासन स्तर तक भेजते हुए कार्रवाई की मांग की है। वहीं वन विभाग की तहरीर पर अफजलगढ़ थाने में लकड़ी माफिया और एक संगठन के जिला उपाध्यक्ष मदन सिंह राणा सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। क्षेत्राधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि आरोपितों शमशेर, लखबीर सिंह और मदन सिंह राणा के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। डीएफओ जय सिंह कुशवाहा ने बताया कि पूरे मामले की तहरीर संबंधित थानों में दी गई है और वायरल वीडियो भी उच्चाधिकारियों को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, भाकियू जिला उपाध्यक्ष मदन सिंह राणा ने वायरल वीडियो में किए गए कथित बयान से साफ इनकार किया है। उनका कहना है कि वे किसानों के हितों के लिए संघर्ष करते हैं और इस प्रकार की कोई बात उन्होंने या उनके साथियों ने नहीं क-ही। यह मामला अब कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक कार्रवाई और सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री की सत्यता तीनों पहलुओं से जांच के दायरे में है। प्रशासन का कहना है कि जांच के आधार पर ही दोषियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शासन के निर्देश पर परिवहन विभाग ने चलाया चेकिंग अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में स्कूली वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शासन के निर्देश पर परिवहन विभाग ने जोरदार अभियान शुरू कर दिया है। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा के नेतृत्व में 5 टीमों का गठन किया गया है। एक टीम की कमान स्वयं महेश शर्मा संभाल रहे हैं। जबकि दूसरी टीम की जिम्मेदारी पीटीओ सुधीर सिंह, तीसरी टीम दिनेश सिंह और चौथी टीम मेजर सिंह को सौंपी गई है।ये टीमें स्कूली परिसरों में पहुंचकर स्कूली वाहनों का सघन निरीक्षण कर रही हैं।

निरीक्षण की रिपोर्ट शासन द्वारा विक-सित निगरानी पोर्टल पर अपलोड की जा रही है। पोर्टल पर सबसे पहले विद्यालय द्वारा वाहनों का प्रपत्र वैधता के साथ फीड किया जाता है, उसके बाद परिवहन विभाग के अधिकारी निरीक्षण रिपोर्ट अपलोड करते हैं। इस पोर्टल की निगरानी जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, लोक निर्माण विभाग सहित सभी सड़क सुरक्षा से जुड़े स्टेकहोल्डर्स कर सकेंगे। आज के अभियान में कुल 52 स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 15 वाहनों में कमियां पाई गईं। इन सभी वाहनों को नोटिस जारी कर कमियों को तुरंत दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह अभियान पूरे जिले में निरंतर जारी रहेगा, ताकि स्कूली बच्चों की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित हो सके। प-रिवहन विभाग का प्रयास है कि सभी स्कूली वाहन फिटनेस, दस्तावेज और सुरक्षा मानकों पर पूरी तरह खरे उतरें।

संक्षिप्त डायरी

उत्तर प्रदेश के चार एक्सप्रेसवे पर वाहन चलाना हुआ महंगा, टोल में वृद्धि

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में चल रहे चार प्रमुख एक्सप्रेसवे पर यात्रा करने वाले वाहन चालकों को अब नई टोल दरें चुकानी पड़ेंगी। वर्ष 2026-27 के लिए जारी संशोधित टोल रेट में सभी श्रेणी के वाहनों की दरें बढ़ाई गई हैं। यह जानकारी यूपीडा की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में गुरुवार को दी गई है। पिछले वर्ष के मुकाबले बढ़ोतरी की बात की जाए तो यह दर मात्र दो प्रतिशत के लगभग है। अब आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर पूरे रूट (प्रथम टोल से अंतिम टोल तक) की यात्रा के लिए एक फेरा टोल की नई दरें लागू होंगी। ये दरें 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी कर दी गई हैं। यूपीडा के प्रवक्ता ने बताया कि सरकार ने इन दरों में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि की है, जो महंगाई और रखरखाव की बढ़ती लागत को ध्यान में रखकर तय की गई है। इन एक्सप्रेसवे का उपयोग करने वाले लाखों वाहन चालक, व्यापारी और यात्री इन नई दरों से सीधे प्रभावित होंगे।

बुजुर्ग की हत्या, बालू टाल के पास मिला रक्तरंजित शव

प्रयागराज (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित नैनी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत धनुआ गांव में शुक्रवार सुबह एक हत्या की वारदात सामने आई। गांव स्थित बालू की टाल के पास 75 वर्षीय हजारी लाल का रक्तरंजित शव पाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। नैनी के धनुआ गांव निवासी हजारी लाल (75) बालू की टाल की देखरेख करते थे और रात में वहीं रहते थे। शुक्रवार सुबह उनका शव संदिग्ध परिस्थितियों में खून से लथपथ हालत में पाया गया। सूचना पर पहुंची टीम ने परिजनों से तहरीर लेकर अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि, ह्लधनुआ गांव में एक वृद्ध व्यक्ति का शव मिला है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है, जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। पुलिस टीम मामले के खुलासे में जुटी हुई है।

मां विंध्यवासिनी मंदिर में घटाभिषेक शुरू

मीरजापुर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में विश्व प्रसिद्ध मां विंध्यवासिनी मंदिर में शुक्रवार को परंपरागत विधि-विधान के साथ घटाभिषेक की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। सुबह ठीक 10 बजे आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में दर्शन-पूजन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया, जिसके बाद पूरे मंदिर परिसर को विशेष अनुष्ठान के लिए तैयार किया गया। घटाभिषेक शुरू करने से पहले सुरक्षा और व्यवस्था के मद्देनजर मंदिर का समस्त बिजली कनेक्शन काट दिया गया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान की शुरूआत हुई। नगर विधायक एवं तीर्थ पुरोहित रत्नाकर मिश्र ने सबसे पहले गंगा जल से भरा घड़ा मां विंध्यवासिनी के चरणों में अर्पित कर घटाभिषेक का शुभारंभ किया। परंपरा के अनुसार, इस दौरान हजारों की संख्या में स्थानीय श्रद्धालु मिट्टी के घड़ों में गंगा जल भरकर मंदिर परिसर की धुलाई करते हैं। लगभग दो घंटे तक चलने वाले इस विशेष अनुष्ठान में भक्तजन पूरे श्रद्धा भाव से भाग लेते हुए मंदिर को पवित्र करते हैं। मंदिर परिसर में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना हुआ है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, घटाभिषेक और साफ-सफाई की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद दोपहर में राजश्री आरती संपन्न कराई जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 1:30 बजे मंदिर को पुनः श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजन के लिए खोल दिया जाएगा। घटाभिषेक को लेकर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के विशेष इंतजाम किए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और अनुष्ठान शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

बीएचयू के दृश्य कला संकाय ने अपने पहले स्कोपस-अनुक्रमित प्रकाशन के साथ बड़ी उपलब्धि पाई

वाराणसी (एजेंसी) काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के व्यावहारिक कला विभाग, दृश्य कला संकाय ने अपने पहले स्कोपस-अनुक्रमित प्रकाशन के साथ एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह शोध इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट में प्रकाशित हुआ है। यह जलवायु परिवर्तन के युग में डिजिटल विज्ञापन की भूमिका को पुनर्परिभाषित करने वाला महत्वपूर्ण शोध है। वैश्विक सतत विकास पर चर्चा में महत्वपूर्ण विज्ञापन पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। इस अध्ययन के लेखक प्रो. मनीष अरोरा,डॉ. पीयूष कुमार गुप्ता,प्रो. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव के अनुसार जलवायु परिवर्तन के युग में विज्ञापन पर्यावरण संरक्षण के लिए डिजिटल मीडिया रणनीतियों को पुनर्परिभाषित करनाह्न शीर्षक वाला यह शोध अनुभवजन्य, सांख्यिकीय और विषयगत साक्ष्य प्रस्तुत करता है। लेखकों के अनुसार इसे आईसीएसएसआर-इम्प्रेस राष्ट्रीय नीति अनुसंधान कार्यक्रम के तहत वित्त पोषित किया गया है।प्रो.मनीष अरोरा के अनुसार यह अध्ययन जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में डिजिटल मीडिया आधारित विज्ञापन रणनीतियों की प्रभावशीलता का विश्लेषण करता है। शोध में अभिसारी मिश्रित पद्धति का उपयोग किया गया, जिसमें मात्रात्मक सर्वेक्षण, विशेषज्ञ साक्षात्कार आधारित गुणात्मक विश्लेषण दोनों को सम्मिलित कर व्यापक निष्कर्ष प्राप्त किए गए। शोध के निष्कर्षों में पर्यावरण-केन्द्रित डिजिटल अभियानों से उपभोक्ता व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन, ब्रांड निष्ठा एवं जन-विश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि, विज्ञापन सामग्री और उपभोक्ता व्यवहार के बीच अत्यंत उच्च सह सम्बन्ध,शोध उपकरणों की उच्च विश्वसनीयता,संरचनात्मक विश्लेषण के लिए डेटा की उत्कृष्ट उपयुक्तता, टिकाऊ विज्ञापन के 8 प्रमुख रणनीतिक आयामों की पहचान है।

हनुमान जन्मोत्सव पर आयोजित जागरण में भजनों पर रातभर झूमे श्रद्धालु

मीरजापुर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर चुनार क्षेत्र के रुदौली गांव स्थित साधो-माधो पुलिया के पास प्राचीन हनुमान मंदिर पर गुरुवार रात भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। हंसराज यादव ने श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में, दुनिया चले ना श्रीराम के बिना और रामजी मिले ना हनुमान के बिनाह्न जैसे भजनों की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं।

असम की डेमोग्राफी बदलने की साजिश सफल नहीं होने देंगे: सीएम योगी का बड़ा हमला

लखनऊ (एजेंसी) असम में जनसभा के दौरान सीएम योगी ने कांग्रेस और यूडीएफ पर तीखा हमला बोला। उन्होंने घुसपैठ, जनसंख्या बदलाव और सांस्कृतिक संरक्षण का मुद्दा उठाया। भाजपा सरकार को विकास और सुरक्षा के लिए जरूरी बताया तथा असम में दोबारा समर्थन की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को असम के चुनावी रण में उतरे। एनडीए उम्मीदवार दीपक कुमार दास के पक्ष में बारपेटा में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस व यूडीएफ पर जमकर निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस चुनाव के पहले ही मैदान छोड़कर भाग गई, जबकि यूडीएफ को भी बंगाल की खाड़ी में फेंकने का समय आ गया है। उन्होंने असमवासियों से एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया और कहा कि घुसपैठियों को बाहर करना है और असम की डेमोग्राफी को बदलने नहीं देना है। एनडीए का संकल्प है कि असम को लव जेहाद-लैंड जेहाद की धरती नहीं बनने देंगे। यहां घुसपैठ नहीं होने देंगे। कांग्रेस व यूडीएफ की घुसपैठियों के जरिये डेमोग्राफी बदलने की साजिश सफल नहीं होने देंगे। एक-एक घुसपैठी को चिह्नित कर यहां से बाहर करने की भी व्यवस्था हो रही है। असम में घुसपैठ की जननी है यूडीएफ, कांग्रेस उसकी सहयोगी सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने तय किया है कि असम को घुसपैठ का अड्डा नहीं बनने देंगे और दंगाइयों को निकाल बाहर करेंगे। कांग्रेस व यूडीएफ को जब भी अवसर मिला, इन्होंने भारत व भारतीयता को अपमानित किया। यूडीएफ असम में घुसपैठ की जननी है। घुसपैठियों के बल पर असम की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है। कांग्रेस उनकी सहयोगी बनकर असम की संस्कृति से खिलवाड़ कर रही है। वैष्णव परंपरा में श्रीमंत शंकर देव व माधव देव की पावन धरा ने नई ऊंचाई के साथ इसे एकता, भक्ति व मानवता के संदेश की भूमि के रूप में परिवर्तित किया है। अहोम राजवंश ने इसी पावन धरा में विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ाकर अहोम की समृद्ध संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाकर भारत की रक्षा में योगदान दिया था। अहोम राजवंश के महान नायक लचित बोरफुकन का अदम्य साहस, शौर्य व पराक्रम भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा रहा है। असम ने मेहनत, परिश्रम व पुरुषार्थ से चाय की चुस्की को दुनिया तक पहुंचाया। असम अब चाय के साथ चिप के उत्पादन की केंद्रभूमि भी बन रही है। कांग्रेस के लोग एक खानदान का रखते थे ध्यान सीएम योगी ने तंज कसा कि कांग्रेस सरकार में भारत रत्न केवल एक खानदान के लोगों को प्राप्त होता था। असम के संगीत व संस्कृति की पहचान भूपेन हजारिका को कांग्रेस ने भारत रत्न नहीं दिया। उन्हें 2019 में मोदी सरकार ने और गोपीनाथ बोरदोलोई को 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने भारत रत्न दिया। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व की एनडीए सरकार ने संस्कृति, परंपरा व विरासत को आगे बढ़ाया। एनडीए सरकार सुरक्षा, सुशासन व सेवा के माध्यम से बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ गांव, गरीब, किसान, महिला व नौजवान तक पहुंचा रही है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेतृत्व की सरकारों ने 60 वर्षों तक असम में अराजकता, दंगा, कर्फ्यू, घुसपैठ को बढ़ावा देकर सुरक्षा में सेंध लगाई और विरासत को अपमानित किया। कांग्रेस को मां कामाख्या कॉरिडोर, काजीरंगा नेशनल पार्क में राइनो संरक्षण, असम व पूवो ार की कनेक्टिविटी याद नहीं आई। आज पूवो ार राज्यों में सड़क, रेल, एयरपोर्ट व इनलैंड वाटरवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी है और यहां इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल आईआईटी, आईआईएम का निर्माण हो रहा है। जहां भी एनडीए सरकार, वहां विकास व विरासत का सम्मान मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से संवाद करते हुए कहा कि देश में जहां-जहां एनडीए सरकार है, पीएम मोदी के नेतृत्व में वहां-वहां विकास और विरासत का सम्मान है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामजन्मभूमि के लिए आंदोलन चला। असम से भी रामभक्त जाते थे।

जमुनापारी बकरी मेले में रिश्वतखोरी के आरोप, किसानों ने की जांच की मांग

औरैया (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में औरैया जनपद के विकासखंड अजीतमल में आयोजित एक दिवसीय जमुनापारी बकरी नस्ल सुधार मेले को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मेले में भाग लेने वाले बकरी पालक किसानों ने पशु विभाग से जुड़े कर्मचारियों के एजेंटों पर गंभीर आरोप लगाते हुए रिश्वतखोरी का मामला उठाया है। किसानों का कहना है कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद उनकी बकरियों को मेले में नहीं भेजा गया और इसके बदले उनसे मोटी रकम की मांग की गई। पीड़ित किसानों के अनुसार मेले में करीब आधा सैकड़ा से अधिक निम्न ग्रेड की बकरियां खरीदी गईं, जबकि कई योग्य और चयनित बकरी पालकों को उनके अधिकार से वंचित कर दिया गया। किसानों का आरोप है कि संबंधित एजेंटों द्वारा प्रति बकरी 20 से 25 हजार रुपये तक की मांग की गई। जो किसान पैसे देने में असमर्थ रहे या उन्होंने मना कर दिया, उनकी बकरियों को मेले में शामिल नहीं किया गया। इस मामले में बकरी पालक किसान श्रीकृष्ण, ऊदल, जगपाल सिंह और जयवीर सिंह ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत संख्या 40016226007392 के माध्यम से उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। किसानों ने कहा कि यह न केवल उनके साथ अन्याय है, बल्कि सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़ा करता है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे उच्चाधिकारियों से लेकर शासन स्तर तक अपनी आवाज उठाएंगे। एक पीड़ित किसान ने बताया, हम लोगों की बकरियां मेले में चयनित हुई थीं, लेकिन बाद में हमसे पैसे मांगे गए। पैसे न देने पर हमारी बकरियां नहीं भेजी गईं। हमने इसकी शिकायत ऑनलाइन कर दी है और हमें न्याय चाहिए। फिलहाल इस मामले में संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है।

विक्रमोत्सव 2026 में काशी में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का भव्य मंचन शाम से

वाराणसी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी)में शुक्रवार शाम से तीन दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन की शुरूआत होगी। विक्रमोत्सव 2026 के तहत उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और न्यायप्रियता को महानाट्य के जरिए आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुख्य आतिथ्य में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की पहली प्रस्तुति होगी। महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के माध्यम से बी.एल.डब्ल्यू. मैदान में आयोजित होने वाले इस महानाट्य की परिकल्पना खुद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की है। पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित द्वारा रचित और राजेश कुशवाहा द्वारा निर्मित और संजीव मालवी के निर्देशन में प्रस्तुत महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य भारत की सांस्कृतिक चेतना को जगाने वाला अनुभव है। इसमें 200 से ज्यादा कलाकार हाथी, घोड़े, रथ, पालकियां, भव्य युद्ध, लाइट शो, आतिशबाजी नृत्य और बाबा महाकाल की भस्म आरती की दिव्य झलकियां शामिल है। महान सम्राट विक्रमादित्य के जन्म से राजतिलक तक की गाथा, विक्रम बेताल की कथा और सनातन धर्म के उत्थान की महा काव्य कथा इस महानाट्य में जीवंत होती है। – तीन मंचों पर 18 घोड़े, 2 रथ, 4 ऊँट, 1 पालकी और 1 हाथी के साथ होगा जीवंत प्रदर्शन जिला सूचना विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, महानाट्य को विराट और जीवंत स्वरूप प्रदान करने के लिए तीन भव्य मंचों का निर्माण किया गया है। केंद्र में 80 गुणे 62 का मुख्य मंच तथा दोनों ओर 42 गुणे 42 के लेफ्ट और राइट मंच तैयार किए जा रहे हैं। इन मंचों पर सिंहासन बत्तीसी, बेताल पच्चीसी और भविष्य पुराण के प्रसंगों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के अद्वितीय व्यक्तित्व, सुशासन और न्यायप्रियता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही उनके दरबार के नवरत्न–कालिदास, वराहमिहिर सहित अन्य विद्वानों की विद्वता का भी सजीव चित्रण होगा। लेफ्ट मंच पर महाकाल मंदिर की भव्य संरचना और 8 फीट के शिवलिंग पर दिव्य भस्म आरती का अलौकिक दृश्य आकर्षण का केंद्र बनेगा। महानाट्य को और अधिक जीवंत बनाने के लिए 18 घोड़े, 2 रथ, 4 ऊँट, 1 पालकी और 1 हाथी के साथ भव्य प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। –बाबा विश्वनाथ दरबार में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अर्पण कालगणना के केन्द्र महाकाल की नगरी उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के स्थापना के बाद भारतवर्ष में स्थापित ज्योतिर्लिंगों में श्री काशी विश्वनाथ दरबार में भी इसका अर्पण होगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशा अनुसार सर्वप्रथम बाबा विश्वनाथ को विक्रमादित्य वैदिक घडी अर्पण की जा रही है। भारत के स्वाभिमान के पुनर्स्थापन के लिए भारतीय काल गणना पर आधारित विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना उज्जैन में की गयी है। जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2024 में किया था।

अंतरराज्यीय भैंस चोर गैंग व पुलिस के साथ मुठभेड़ तीन शातिर गिरफ्तार

बांदा (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के बांदा जनपद में थाना कोतवाली देहात और एसओजी की संयुक्त टीम ने पुलिस मुठभेड़ के दौरान अंतरराज्यीय भैंस चोरी गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, 2 अप्रैल 2026 की रात कोतवाली देहात और एसओजी की टीम क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्धों की तलाश में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि भैंस चोरी करने वाला गिरोह चहितारा गांव की तरफ से चोरी की भैंसों को बेचने के लिए ले जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के नीचे सर्विस लेन के पास घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। तभी एक पिकअप लोडर संदिग्ध अवस्था में आता दिखा, जिसे रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देख अभियुक्त भागने लगे, लेकिन उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पुल के पास दीवार से टकरा गई। घायल अभियुक्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया है बाकी दो अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। चंदन पुत्र रामदीन निवासी खैदीपुर मजरा सेमरी थाना असोथर जनपद फतेहपुर, पंकज सिंह पुत्र रामचन्द्र निवासी ग्राम बंशूपुरवा थाना खागा जनपद फतेहपुर शामिल है। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह के सदस्य पिकअप लोडर से रात में विभिन्न जनपदों में भैंस चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। उन्होंने 20/21 फरवरी को थाना बिसंडा, 10/11 मार्च को कोतवाली नगर और 24/25 मार्च को कोतवाली देहात क्षेत्र में भैंस चोरी की घटनाएं की थीं। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 3 भैंस/पड़िया/पड़ा, 95 हजार रुपये नकद, एक पिकअप लोडर (घटना में प्रयुक्त), 2 अवैध तमंचे, 2 जिंदा कारतूस और 4 खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

किशोरी का हत्यारोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

फरुर्खाबाद (एजेंसी) । नवाबगंज थाना पुलिस ने किशोरी के हत्यारोपित विवेक पाल को गुरुवार की रात मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पैर में गोली लगने से विवेक घायल हो गया। इस मुठभेड़ में सिपाही को भी गोली लगी है। नवाबगंज थाना पुलिस हत्या के मामले में ग्राम सिरोली निवासी आरोपी विवेक पाल को तलाश कर रही थी। बीती रात पुलिस को पता चला की विवेक पाल ग्राम राजा रामपुर मेई क्षेत्र में छिपा है। इसी सूचना पर पुलिस ने विवेक पाल की घेराबंदी की। पुलिस की घेराबंदी में पकड़े जाने के भय से विवेक पाल ने पुलिस पर फायर किए, पुलिस ने भी जवाबी गोली चलाई। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगाई गई थी। पुलिस मुठभेड़ में विवेक पाल के पैर में गोली लगी है। उसके कब्जे से किशोरी की हत्या में में प्रयोग की गई बाइक एवं 315 बोर तमंचा दो कारतूस व खोखे बरामद हुए हैं। विवेक के द्वारा की गई फायरिंग में सिपाही अरविंद गोली लगने से घायल हो गया। घायल विवेक पाल एवं सिपाही को उपचार के लिए सीएचसी नवाबगंज भेजा गया है। मालूम हो कि थाना नवाबगंज क्षेत्र की कक्षा 9 की छात्रा ने प्रेमी के द्वारा दी गई नशीली गोली 28 मार्च की रात में दूध में मिलकर परिजनों को खिला दी थी। करीब 15 वर्षीय छात्रा घर से जेवर व जरूरी कागजात लेकर चली गई। 30 मार्च को पीड़ित पिता ने ग्राम सिरौली निवासी अंशुल पाल, रोहित पाल एवं विवेक कुमार पाल के विरुद्ध पुत्री के भगाए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बीते दिनों पुलिस ने अंशुल को पकड़ लिया, सख्ती से पूंछताछ किए जाने पर अंसुल ने बताया कि लड़की मेरे पास आई थी और मुझ पर शादी करने का दबाव बनाकर कहने लगी कि अब मैं घर नहीं जाऊंगी। मैंने अपने साथी विवेक पाल के सहयोग से गला दबाकर लड़की को मार दिया और शव को खेत में छुपा दिया। दूसरे दिन बाइक पर शव को बोरी में रखकर ग्राम कुम्हौली में काली नदी के किनारे छिपा दिया। बताया गया है कि किशोरी घर से जाते समय दो जोड़ी झुमके, एक जोड़ी टॉप्स, एक सोने की चेन, एक जोड़ी पायल एवं 50 हजार रुपए भी ले गई थी। बीते दिन किशोरी का शव ग्राम कुम्हौली अंत्येष्टि स्थल से करीब 20 मीटर दूरी बोरी में मिला था।

विंध्याचल धाम पहुंचे कथावाचक राजन महाराज, बोले- धर्म में आस्था ही जीवन का आधार

– राजन महाराज ने मां के चरणों में नवाया शीश, भक्तों ने लिया आशीष

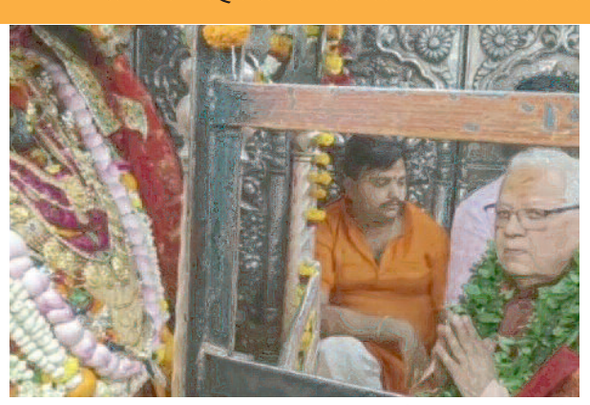

मीरजापुर (एजेंसी) विंध्याचल धाम में शुक्रवार को उस समय आध्यात्मिक वातावरण और भी भावपूर्ण हो उठा, जब प्रसिद्ध कथावाचक राजन महाराज मां आदिशक्ति माता विंध्यवासिनी के दरबार में पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर देश की समृद्धि, शांति और जन-जन की खुशहाली की कामना की। इस दौरान आचार्य अगस्त्य द्विवेदी के सानिध्य में विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। मां के चरणों में नमन करते हुए राजन महाराज ने कहा कि धर्म में अटूट विश्वास ही जीवन को संतुलित और सुखी बनाता है। जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है, वह हर परिस्थिति में प्रसन्न रहता है। विंध्याचल धाम के बदले स्वरूप को देखकर वे खासे प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में धाम ने भव्यता, स्वच्छता और सुव्यवस्था के नए आयाम स्थापित किए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किए गए विकास कार्य वास्तव में सराहनीय हैं। बताया गया कि राजन महाराज इन दिनों प्रयागराज के हंडिया क्षेत्र में चल रही कथा के दौरान मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए विशेष रूप से विंध्याचल पहुंचे थे। उन्होंने शासन-प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि यहां की यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और साफ-सफाई में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि इन व्यवस्थाओं से न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं को सुविधा मिली है, बल्कि दूर-दराज से आने वाले भक्तों के लिए भी दर्शन प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सहज और सुगम हो गई है। विंध्याचल धाम को उन्होंने देश के प्रमुख शक्तिपीठों में शुमार बताते हुए कहा कि यहां हर श्रद्धालु की गहरी आस्था जुड़ी है। राजन महाराज ने विश्वास जताया कि धाम का यह तेजी से हो रहा विकास धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके आगमन से स्थानीय श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में भक्तों ने उनसे आशीर्वाद लिया और धार्मिक चर्चा में भाग लिया।

हनुमान जन्मोत्सव पर टीम हर घर हनुमान चालीसा ने किया भव्य आयोजन

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर के प्रसिद्ध चन्नी वाले मंदिर में टीम हर घर हनुमान चालीसा द्वारा आयोजित कार्यक्रम ने पूरे स्याना को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। सभी भक्तों ने हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष शीश नवाकर सुख-शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की। इस दौरान श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया।

आपको बता दे कि जनपद बुलंदशहर के स्याना नगर के प्रसिद्ध चन्नी वाले मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने एक स्वर में जय श्री राम और बजरंगबली की जय के जयघोष किए, जबकि सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से माहौल ओजस्वी हो उठा। स्थानीय निवासियों की भारी उपस्थिति ने आयोजन को सार्थक बनाया।

आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था हिमांशु त्यागी और उनकी ह्यटीम हर घर हनुमान चालीसा ने संभाली, जिसके कार्यकताओं की सेवा-भावना की नगर में सराहना हो रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को संस्कृति और धर्म से जोड़ने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में राकेश त्यागी, गौरव त्यागी, मांगेराम त्यागी और अंकुर त्यागी व नगर वासी शामिल हुए।

हरियाणा के इन किसानों की चांदी, अब फल-सब्जी खराब होने पर मिलेगा 50,000 प्रति एकड़ मुआवजा

चंडीगढ़ : चंडीगढ़ के गलियारों से हरियाणा के अन्नदाताओं के लिए एक सुखद खबर आई है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वीरवार को विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिवों के साथ बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। प्रदेश सरकार ने खेती-किसानी को जोखिम मुक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए बागवानी फसलों के मुआवजे में 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की सीधी बढ़ोतरी कर दी है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में अब बागवानी करने वाले किसान खुद को अकेला नहीं पाएंगे, सरकार उनके आर्थिक नुकसान की भरपाई पहले से कहीं ज्यादा मजबूती के साथ करेगी। समीक्षा बैठक के दौरान

मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट में की गई जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी फाइलों तक सीमित न रहे। उन्होंने आदेश दिया कि इन घोषणाओं की चर्चा गांव-गांव में होने वाली ग्राम सभाओं में की जाए और वहां से बाकायदा प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री कार्यालय (उटड) को रिपोर्ट भेजी जाए। सरकार का लक्ष्य है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को यह पता हो कि उसके कल्याण के लिए कौन सी योजना चल रही है। बैठक में ऊर्जा, स्वास्थ्य, राजस्व और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विभागों के सचिवों की मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि सरकार अब धरातल पर काम दिखाने के मूड में है। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में चल रही 'मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना' अब काफी व्यापक हो चुकी है। इस योजना के दायरे में अब 46 प्रकार के फल, सब्जियां और मसालों की फसलों को शामिल कर लिया गया है। खास बात यह है कि इस बीमा का कुल 97.5 प्रतिशत प्रीमियम राज्य सरकार खुद वहन करती है, जबकि किसानों को अपने हिस्से के तौर पर मात्र 2.5 प्रतिशत प्रीमियम ही देना होता है। यह योजना उन छोटे और मध्यम किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जिनकी फसलें अक्सर बेमौसम बारिश या ओलावृष्टि की भेंट चढ़ जाती थीं। किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दोहराते हुए सीएम सैनी ने किसान उत्पादक संगठनों (ऋछड) की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने घोषणा की कि वे स्वयं प्रदेश के सभी 775 ऋछड की बैठक में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब किसान समूह के रूप में संगठित होकर काम करेंगे, तभी उन्हें अपनी उपज का सही मोल मिलेगा और बिचौलियों का दखल खत्म होगा। केंद्र सरकार के 10 हजार ऋछड स्थापित करने के लक्ष्य के तहत हरियाणा को मिले 172 नए संगठनों के काम में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि प्रदेश का किसान उद्यमी बन सके।

सीएम सैनी इस जिले को देंगे 196 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

जींद: जिले में प्रस्तावित धन्यवाद एवं विकास रैलियों के जरिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। चार अप्रैल को सफीदों की अनाजमंडी में शेड के नीचे रैली होगी जबकि पांच को जींद में एकलव्य स्टेडियम के सामने ग्राउंड में रैली होगी। सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि 5 अप्रैल को जींद के एकलव्य स्टेडियम के सामने आयोजित रैली को मुख्यमंत्री संबोधित करेंगे। सीएम 196 करोड़ 65 लाख 18 हजार रुपये की लागत की 15 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। जींद में 140 करोड़ 87 लाख 8 हजार रुपये की लागत से 12 परियोजनाओं का शिलान्यास और 55 करोड़ 78 लाख 10 हजार रुपये की लागत से तीन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। उद्घाटन होने वाली प्रमुख परियोजनाओं में हैबतपुर स्थित संत शिरोमणि श्री धन्ना भगत राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में ओपीडी सेवाओं का शुभारंभ भी शामिल है। इसके अलावा जींद डिस्ट्री नंबर-4 के पुनर्निर्माण और गांव स्तर पर सूक्ष्म सिंचाई व सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया जाएगा। वहीं शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं में मनोहरपुर में परचेज सेंटर, ऑफिसर कॉलोनी में 56 आवासीय इकाइयों का निर्माण, विभिन्न सड़कों की मरम्मत व चौड़ीकरण, पानीपत-सफीदों-जींद मार्ग का फोरलेन निर्माण, कंडेला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और समेकित सैनिक सदन का निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा मनोहरपुर ड्रेन खुदाई परियोजना और जल आपूर्ति से जुड़ी कई योजनाओं का भी शिलान्यास किया जाएगा जिससे जिले में बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी। चार अप्रैल को मुख्यमंत्री नई अनाज मंडी, सफीदों में आयोजित रैली में भाग लेंगे। यहां 40 करोड़ 45 लाख 96 हजार रुपये की लागत से नौ परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया जाएगा। सफीदों में 19 करोड़ 30 लाख 83 हजार रुपये की लागत से छह परियोजनाओं का उद्घाटन होगा। इनमें राजकीय महाविद्यालय में नए शिक्षण कक्ष, हांसी ब्रांच पर घाट निर्माण व सुंदरीकरण, ड्रेन व नालों के पुनर्निर्माण कार्य शामिल हैं। वहीं 21 करोड़ 15 लाख 13 हजार रुपये की लागत से तीन परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, जिनमें अनाज मंडी की आंतरिक सड़कों का सुधार, लुदाना में 33 केवी सब स्टेशन तथा पिल्लूखेड़ा में राजकीय कन्या महाविद्यालय का निर्माण शामिल है।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के खिलाफ हो कड़ी से कड़ी कार्रवाई- जयप्रकाश

सिरसा (सतनाम सिंह) : हरियाणा की सियासत एक बार फिर गर्मा गई है। हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने चौटाला परिवार पर पलटवार करते हुए राजनीतिक मयार्दा और भाषा की सीमाओं पर बड़ा बयान दिया है। हाल ही में चौटाला परिवार की ओर से की गई अभद्र टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए जयप्रकाश ने साफ कहा कि राजनीति में अमर्यादित भाषा का कोई स्थान नहीं है। जयप्रकाश ने कहा कि व्यक्तिगत हमले और स्तरहीन बयानबाजी न सिर्फ लोकतंत्र को कमजोर करते हैं, बल्कि जनता के बीच गलत संदेश भी भेजते हैं। उन्होंने चौटाला परिवार के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि अजय और अभय चौटाला ने अपने परिवार की विरासत को खुद ही नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन नेताओं की भाषा और व्यवहार ने देवीलाल और ओमप्रकाश चौटाला जैसे बड़े नेताओं के नाम को धूमिल किया है। जयप्रकाश ने दावा किया कि उन्होंने हमेशा देवीलाल के नाम और उनकी विचारधारा को सम्मान दिया और उसे आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में विरोध होना स्वाभाविक है, लेकिन व्यक्तिगत मयार्दा बनाए रखना हर नेता की जिम्मेदारी है। इसी दौरान जयप्रकाश ने कांग्रेस के भीतर चल रही गतिविधियों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने चौधरी विजेंद्र सिंह की हालिया

यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि यह कोई अधिकृत पार्टी यात्रा नहीं है, बल्कि एक व्यक्तिगत पहल है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह यात्रा पार्टी नेतृत्व, खासकर राहुल गांधी के निर्देश पर शुरू की गई है? जयप्रकाश ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही कांग्रेस के शीर्ष नेता हैं और किसी भी बड़ी राजनीतिक पहल को उनके मार्गदर्शन में ही होना चाहिए। दोषी विधायकों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो- जय प्रकाश राज्यसभा चुनाव के दौरान हुए विवाद पर भी जयप्रकाश ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि पार्टी के जिन विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की या जिनकी वजह से वोट रिजेक्ट हुए, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पार्टी हाईकमान से मांग की कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए और दोषी विधायकों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। चौटाला परिवार पर हमला जारी रखते हुए जयप्रकाश ने हिसार लोकसभा चुनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस चुनाव में चौटाला परिवार के तीन-तीन उम्मीदवार उनके सामने मैदान में उतरे थे, लेकिन जनता ने उन्हें पूरी तरह नकार दिया। उन्होंने विशेष रूप से सुनैना चौटाला और नैना चौटाला का नाम लेते हुए कहा कि दोनों को 25,000 से भी कम वोट मिले थे।

जयप्रकाश ने आगे कहा कि न सिर्फ उन्हें कम वोट मिले, बल्कि दोनों ही उम्मीदवारों की जमानत भी जब्त हो गई थी। उन्होंने इसे जनता का स्पष्ट संदेश बताते हुए कहा कि लोग अब केवल वादों और परिवारवाद की राजनीति से आगे बढ़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि ह्लजनता सब जानती है कि किस पार्टी का क्या वजूद है और कौन सिर्फ नाम के भरोसे राजनीति कर रहा है।ह्व जयप्रकाश ने दावा किया कि जनता अब विकास, ईमानदारी और स्पष्ट नेतृत्व चाहती है, न कि वंशवाद और विवादों में उलझी राजनीति।

कैथल पुलिस का 'ऑपरेशन क्लीन', डेरा गरजा सिंह में छापेमारी...240 लीटर लाहण के साथ तस्कर काबू

कैथल : कैथल पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत छापेमारी तेज कर दी है। पुलिस लगातार नशा तस्कर व नशा बेचने वालों पर शिकंजा कसती जा रही है इसी कड़ी में आज सिटी थाना प्रभारी गीता के नेतृत्व में एएसआई राजीव कुमार एएसआई सुभाष कुमार सहित एक टीम का गठन किया गया इसी क्रम में पुलिस ने डेरा गरजा सिंह में छापेमारी की और लखविंदर सिंह को उसके घर के गेट पर सहयोगी कर्मचारियों की मदद से काबू कर लिया। घर के अंदर मेन गेट के पास गैलरी में चार नीले रंग की प्लास्टिक ड्रमियां बरामद हुईं, जिन्हें दो प्लास्टिक कट्टों से ढका गया था। ड्रमियों में भरे तरल पदार्थ को सूंघने पर लाहण की तेज बदबू आई। आरोपी लखविंदर सिंह ने भी ड्रमियों में लाहण होने की पुष्टि की। तसला और बाल्टी से नापने पर करीब 240

लीटर लाहण बरामद हुआ। पुलिस ने लाहण को वही नीली ड्रमियों में भरकर उनके मुंह को दो नीले और दो पीले प्लास्टिक कट्टों से सील किया। पुलिस का यह अभियान नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई को दशार्ता है। कैथल पुलिस में नशा बेचने वालों को चेतावनी दी है कि या तो वह गलत धंधे छोड़ दे अन्यथा पुलिस का कड़ा एक्शन देखने को मिलेगा।

बुजुर्गों के लिए खुशखबरी! हरियाणा सरकार मुफ्त में कराएगी नांदेड़ साहिब के दर्शन

चंडीगढ़: हरियाणा के बुजुर्गों और श्रद्धालुओं के लिए राज्य सरकार ने भक्ति और सेवा का बड़ा तोहफा पेश किया है। 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के तहत अब प्रदेश के पात्र बुजुर्गों को महाराष्ट्र स्थित सिखों के पावन धार्मिक स्थल श्री हजूर साहिब (नांदेड़) के दर्शन मुफ्त में कराए जाएंगे। इस विशेष तीर्थ यात्रा के लिए सरकार ने पूरा खाका तैयार कर लिया है और पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। 5 मई, 2026 को कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन सीधे नांदेड़ साहिब जाएगी, जहाँ श्रद्धालुओं को ठहरने, खाने-पीने और दर्शन करने की तमाम सुविधाएं मुफ्त प्रदान की जाएंगी। इस मुफ्त यात्रा का लाभ उठाने के इच्छुक श्रद्धालुओं को समय रहते अपना पंजीकरण कराना

होगा।आवेदन करने की अंतिम तारीख 15 अप्रैल, 2026 तय की गई है। कैसे करें आवेदन श्रद्धालु अपने नजदीकी सीएससी (CSC) सेंटर पर जाकर या स्वयं सरल पोर्टल (SARAL PortÔ') के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए परिवार पहचान पत्र (PPP) अनिवार्य है। कौन उठा सकता है योजना का लाभ? सरकार ने इस योजना के लिए कुछ कड़े लेकिन पारदर्शी नियम बनाए हैं। आवेदक की उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। केवल वही परिवार पात्र होंगे जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है।आवेदक का हरियाणा का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। इस योजना का लाभ एक व्यक्ति 3 साल में केवल एक बार ही ले सकता है।जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने बुजुर्गों से अपील की है

पुलिस रेड, हिरासत और फिर क्लीन चिट...एक अफवाह से मचा हड़कंप, पुलिन ने शरारती तत्वों के मंसूबों पर फेरा पानी!

अंबाला: पंजोखरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव छज्जूमाजरा में बन रहे एरो इंडस्ट्रियल पार्क प्रोजेक्ट में उस समय हड़कंप मच गया, जब पुलिस को वहां अफीम के पौधे उगाए जाने की गुप्त सूचना मिली। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पौध लगाने वाले माली से पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर थाने ले आई। गहन जांच के बाद शिकायत पूरी तरह झूठी पाई गई। बाद में माली को छोड़ दिया गया। मामले में पता चला कि किसी शरारती व्यक्ति ने झूठी शिकायत देकर गुमराह किया और पुलिस के माध्यम से दबाव बनाने का प्रयास करना चाहता था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने वन विभाग की टीम को भी मौके पर बुलाया। विशेषज्ञों ने जब पौधों की जांच की, तो स्पष्ट हुआ कि वे अफीम के पौधे नहीं थे। वन विभाग द्वारा लिखित रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद पुलिस ने माली को छोड़ दिया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर कुछ समय के लिए मौके पर कर्मचारियों को भी तैनात रखा था। एरो इंडस्ट्रियल पार्क के एमडी ऋषि आनंद ने इस घटना पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कुछ शरारती तत्व प्रोजेक्ट के काम में बाधा डालने और उसे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले भी प्रोजेक्ट को लेकर गुमराह करने की कोशिश की गई थी और अब यह झूठी शिकायत उसी का हिस्सा है। प्रशासन को कई शिकायतें झूठी की गई जिसकी जांच के बाद क्लीन चिट मिली। वे बोले इस मामले में लिखित शिकायत करेंगे ताकि झूठी सूचना देकर पुलिस और सभी का समय खराब करने वालों पर कार्रवाई हों। पंजोखरा थाना प्रभारी जय सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी, जिस पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। वन विभाग ने लिखित में स्पष्ट कर दिया है कि अफीम का पौधा नहीं है। पूछताछ के बाद माली को छोड़ दिया गया, वह थाने से सही-सलामत वापस गया।

मामूली पार्किंग विवाद ने लिया खूनी संघर्ष का रूप, 2 गुटों के बीच हुई झड़प में 3 लोग घायल

अंबाला : अंबाला शहर के जलबेड़ा रोड पर आज उस समय हड़कंप मच गया, जब मामूली पार्किंग के विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो गुटों के बीच हुई इस झड़प में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

घायलों का आरोप है कि दूसरे पक्ष ने समझौते के बहाने बुलाकर उन पर तेजधार हथियारों और चाकुओं से हमला किया। घटना जलबेड़ा रोड की है, जहाँ पार्किंग को लेकर दो दुकानदारों के बीच कहासुनी शुरू हुई। पीड़ित पक्ष का कहना है कि वे मामले को सुलझाने और समझौता करने के लिए गए थे, लेकिन दूसरा पक्ष पहले से ही हथियारों से लैस था। हमलावरों ने आव देखा न ताव और सीधा वार करना शुरू कर दिया। घटना के बाद सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उनकी टछफकट चुकी है। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस भी हरकत में आ गई है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और घायलों के बयान दर्ज कर लिए हैं।

फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। लेकिन दिनदहाड़े शहर के व्यस्त रोड पर हुई इस वारदात ने कानून व्यवस्था पर एक बार फिर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

नूंह कंज्यूमर कोर्ट अधिकारी पर रिश्वतखोरी के आरोप, बार एसोसिएशन ने न्याय व्यवस्था पर उठाए गंभीर सवाल

नूंह : नूंह जिले में कंज्यूमर कोर्ट के एक अधिकारी पर रिश्वत मांगने के गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिससे न्यायिक व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। नूंह जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कंज्यूमर कोर्ट पहुंचकर इस मामले को जोर-शोर से उठाया और संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान ताहिर हुसैन रुपड़िया और मकसूद अहमद एडवोकेट ने कंज्यूमर कोर्ट के ऑफिसर बलजीत सिंह पर आरोप लगाया कि उन्होंने एक मामले में 3 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता मकसूद अहमद ने बताया कि यह कोई एक मामला नहीं है, बल्कि अधिकारी द्वारा हर केस में करीब 10 प्रतिशत तक रिश्वत लेने का आरोप है। रिश्वत न दी तो केस को रद्द कर दिया गया मकसूद अहमद

के अनुसार, जब उन्होंने रिश्वत देने से इनकार किया, तो उनके केस को रद्द कर दिया गया। उन्होंने इसे न्याय के साथ अन्याय करार देते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशैली से आम आदमी का भरोसा न्याय प्रणाली से उठ सकता है। वहीं, ताहिर हुसैन रुपड़िया ने कहा कि कंज्यूमर कोर्ट की स्थापना आम जनता को सस्ता और त्वरित न्याय देने के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन अगर यहां भी भ्रष्टाचार पनप रहा है तो यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की शिकायतें लंबे समय से सामने आ रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बार एसोसिएशन ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। यह मामला न केवल नूंह जिले में बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर एक बड़ी बहस को जन्म दे सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन और उच्च अधिकारी इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

कैथल में दर्दनाक हादसा:ड्यूटी पर जाते समय काल बना ऑटो, अस्पताल ले जाने से पहले ही कर्मचारी ने तोड़ा दम

कैथल: हरियाणा के कैथल जिले में एक भीषण सड़क हादसे में बिजली निगम (UHBVN) के एक कर्मचारी की जान चली गई। हादसा उस समय हुआ जब कर्मचारी अपनी बाइक पर सवार होकर ड्यूटी के लिए घर से निकला था। रास्ते में एक तेज रफ्तार ऑटो ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बिजली निगम के कर्मचारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, वह रोज की तरह सुबह अपनी बाइक पर सवार होकर ड्यूटी पर जा रहा था। जैसे ही वह मुख्य सड़क पर पहुँचा, सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ऑटो ने उसकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कर्मचारी उछलकर सड़क पर जा गिरा और उसे सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने

तुरंत हादसे की सूचना एम्बुलेंस और पुलिस को दी। घायल कर्मचारी को आनन-फानन में नजदीकी नागरिक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही बिजली निगम के अन्य कर्मचारी और अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे, जहाँ माहौल काफी गमगीन हो गया। सूचना मिलते ही कैथल पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रोशन लाल हत्याकांड में कोर्ट का फैसला : कातिल पत्नी और प्रेमी को उम्रकैद, हत्या कर खेत में दबाया था शव

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र में करीब 3 साल पहले हुए रोशन लाल हत्याकांड में जिला एवं सत्र न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए 3 आरोपियों को दोषी ठहराया है। अदालत ने मुख्य आरोपी राहुल और मृतक की पत्नी रोजी बाला को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, जबकि मामले में सहयोग करने वाले तीसरे आरोपी रवि को चार साल के कठोर कारावास से दंडित किया गया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मृतक रोशन लाल की हत्या अवैध संबंधों के चलते की गई थी। बताया गया कि रोशन लाल की पत्नी रोजी बाला और उसके रिश्ते में देवर लगने वाले राहुल के बीच प्रेम संबंध थे। दोनों ने मिलकर रोशन लाल को रास्ते से हटाने की योजना बनाई और इस साजिश में राहुल के दोस्त रवि को भी शामिल कर लिया। यह था मामला मामले की शुरूआत 5 फरवरी, 2023 को हुई, जब लोहार माजरा निवासी कृष्ण कुमार ने पुलिस चौकी सेक्टर-7 में शिकायत दी। शिकायत में बताया गया कि उसका बड़ा भाई रोशन लाल, जो मथाना स्थित एक बैंक्वेट हॉल में कार्यरत था, 4 फरवरी 2023 की शाम ड्यूटी समाप्त करने के बाद घर लौटते समय अचानक लापता हो गया। शिकायतकर्ता के अनुसार रोशन लाल ने सेक्टर-7 स्थित होटल हेरिटेज में चाबियां जमा करवाई थीं, लेकिन उसके बाद वह घर नहीं पहुंचा और उसका मोबाइल फोन भी बंद हो गया। इस शिकायत

के आधार पर थाना शहर थानेसर में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया और जांच अपराध शाखा-2 को सौंप दी गई।जांच के दौरान पुलिस को करीब 11 दिन बाद 15 फरवरी 2023 को रोशन लाल का शव बरामद हुआ। शव को बोरी में डालकर गेहूं के खेत में दबाया गया था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया और मामले में हत्या की धारा 302 आईपीसी जोड़ दी गई। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने मृतक के चचेरे भाई राहुल को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर रोशन लाल की बाइक नहर से बरामद की गई। इसके बाद पुलिस ने राहुल के दोस्त रवि को भी गिरफ्तार कर लिया।

मामले में उस समय बड़ा खुलासा हुआ जब पुलिस जांच में सामने आया कि राहुल और रोजी बाला के बीच अवैध संबंध थे और दोनों ने मिलकर रोशन लाल की हत्या की साजिश रची थी। इसके बाद पुलिस ने रोजी बाला को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने महिला आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया, जो जांच में अहम साक्ष्य साबित हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या करने के बाद आरोपियों ने रोशन लाल के शव को बोरी में डालकर गेहूं के खेत में दबा दिया और पहचान छिपाने के लिए उसकी बाइक नहर में फेंक दी।

मामले की नियमित सुनवाई और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने मुख्य आरोपी राहुल को धारा 302 आईपीसी के तहत आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए जुमार्ना, धारा 201 के तहत 4 साल का कठोर कारावास व 5 हजार रुपए जुमार्ना तथा धारा 341 के तहत एक माह का कठोर कारावास की सजा सुनाई।

वहीं सह-आरोपी रवि को धारा 201 आईपीसी के तहत 4 साल का कठोर कारावास और 5 हजार रुपए जुमार्ने की सजा दी गई। इसके अलावा महिला आरोपी रोजी बाला को धारा 302/120बी आईपीसी के तहत आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए जुमार्ने से दंडित किया गया।

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

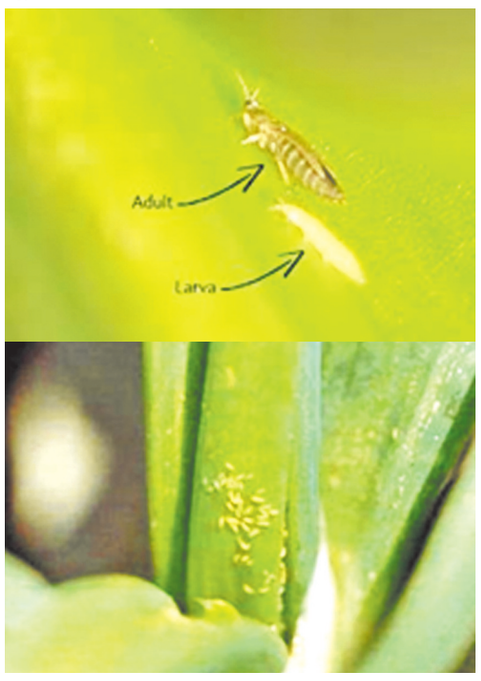

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथामः

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खीः मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथामः

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथामः

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथामः

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड्रीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक काचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवें। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

मैं कभी एक्टिंग में नहीं आना चाहते था, मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है। बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, 'पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।' 'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।

फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, 'मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई।' अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

'भूल भुलैया 2' न सही तो 'भूत बंगला' से सपना सच हो गया'

बातचीत के दौरान वामिका ने इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी, 'भूल भुलैया 2' से जुड़ा एक पुराना किस्सा, अक्षय और प्रियदर्शन की आपसी समझ, सेट पर अनुशासन और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

काफी वक्त से कॉमेडी फिल्म करना चाहती थी

वामिका कहती हैं, 'मैं काफी समय से कह रही थी कि मुझे ऐसी फिल्म करनी है। मैं 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया', 'हलचल' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों को देखकर बड़ी हुई हूं। हमेशा सोचती थी कि काश मैं भी ऐसी एक फिल्म का हिस्सा बनूं। जब पता चला कि प्रियदर्शन सर और अक्षय सर साथ में फिल्म कर रहे हैं तो मेरे लिए यही बात अपने आप में बहुत बड़ी थी।'

'भूल भुलैया 2' करते-करते रह गई थी

वामिका ने बातचीत के दौरान यह भी बताया कि वह पहले भी इस कॉमेडी स्पेस का हिस्सा बनने के करीब पहुंच चुकी थीं। उन्होंने कहा, 'जब 'भूल भुलैया 2' बन रही थी, तब मैंने भी उस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। मैंने ऑडिशन दिया था, फिल्म करने के काफी करीब भी पहुंच गई थी लेकिन किसी वजह से यह होते-होते रह गया। अब देखो, मैं 'भूत बंगला' कर रही हूं। जो सपना इतने साल का था, वो आखिरकार पूरा हुआ।'

कभी-कभी लगता था, सेट पर दो पुराने दोस्त खड़े हैं

सेट पर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की आपसी समझ कैसी थी पूछा जाने पर वामिका ने कहा, 'इनको देखकर कभी-कभी मुझे लगता था कि दो पुराने दोस्त साथ खड़े हैं, जो एक-दूसरे के साथ मजाक कर रहे हैं। वहीं कभी-कभी ऐसा लगता था जैसे गुरु और शिष्य के बीच कोई अनकही समझ चल रही हो। प्रियदर्शन सर कुछ कहते थे और अक्षय सर तुरंत समझ जाते थे। उनकी यह समझ सेट पर सामने देखना अपने आप में बहुत दिलचस्प था।'

अक्षय समय पर है तो आप देरी नहीं कर सकते

अक्षय कुमार के अनुशासन पर बात करते हुए वामिका ने कहा, 'सेट पर समय से पहुंचने का दबाव तो होता था। जब आपको पता हो कि अक्षय सर सेट पर समय से आते हैं, अनुशासित हैं, तो आप आराम से या देर से नहीं पहुंच सकते। लेकिन वह दबाव नकारात्मक नहीं होता। वह आपको प्रोफेशनल बनाता है।'

अक्षय सर के साथ एक्शन फिल्म करूंगी

बातचीत के अंत में वामिका ने यह भी कहा कि 'भूत बंगला' के बाद अब उनकी इच्छा अक्षय कुमार के साथ एक्शन फिल्म करने की भी है। फिल्म 'भूत बंगला' को वामिका गब्बी अपने लिए यादगार मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। ये बहुत खास अनुभव था। जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद हैं, उसी तरह की फिल्म में काम करना, प्रियदर्शन सर जैसे निर्देशक और अक्षय सर जैसे कलाकार के साथ काम करना यादगार रहा है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म में नजर आएंगे मोहनलाल

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल और डायरेक्टर प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। यह प्रियदर्शन के करियर की 100वीं फिल्म होगी। खास बात यह है कि मोहनलाल ने ही प्रियदर्शन की पहली फिल्म में लीड रोल निभाया था और अब वे उनकी 'सेंचुरी' वाली फिल्म का भी हिस्सा बनेंगे। यह फिल्म एक 'म्यूजिकल ड्रामा' होगी, जिसे आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले बनाया जाएगा। हालांकि इस प्रोजेक्ट का नाम अभी तय नहीं हुआ है। मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर एक नोट लिखकर फिल्म पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'कुछ उपलब्धियां किसी एक व्यक्ति की नहीं होतीं। मेरे प्रिय मित्र प्रियन (प्रियदर्शन) अपनी 100वीं फिल्म की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और मेरे पास शब्द नहीं हैं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है। 100 फिल्में सिर्फ एक नंबर नहीं हैं, बल्कि कहानियों से भरा एक जीवन है। मैं इस सफर का हिस्सा बनकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

एंथोनी पेरुम्बावूर करेंगे प्रोड्यूस

इस फिल्म को मोहनलाल के करीबी और मशहूर प्रोड्यूसर एंथोनी पेरुम्बावूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि बिनू जॉर्ज अलेक्जेंडर को-प्रोड्यूसर होंगे। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है,लेकिन मेकर्स ने साफ किया है कि यह प्रियदर्शन की सिग्नेचर कॉमेडी फिल्मों से अलग एक म्यूजिकल फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में बनेगा नया रिकॉर्ड

यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक नया रिकॉर्ड सेट कर सकती है। बहुत कम ऐसा देखा गया है कि जिस अभिनेता ने किसी डायरेक्टर की पहली फिल्म में काम किया हो, वही उसकी 100वीं फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाए। मोहनलाल और प्रियदर्शन की जोड़ी ने पिछले चार दशकों में 'बोइंग बोइंग', 'चित्रम', 'कालापानी' और 'ओप्पम' जैसी कई क्लासिक फिल्में दी हैं।

पुराने दोस्त हैं प्रियदर्शन और मोहनलाल

प्रियदर्शन ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक में की थी। उन्होंने न केवल मलयालम बल्कि बॉलीवुड में भी 'हेरा फेरी', 'भूल भुलैया' और 'हंगामा' जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। मोहनलाल के साथ उनकी जोड़ी को मलयालम इंडस्ट्री की सबसे सफल जोड़ी माना जाता है। उनकी पिछली बड़ी फिल्म 'मरक्कर : लॉयन ऑफ द अरेबियन सी' थी, जिसने नेशनल अवॉर्ड जीता था।

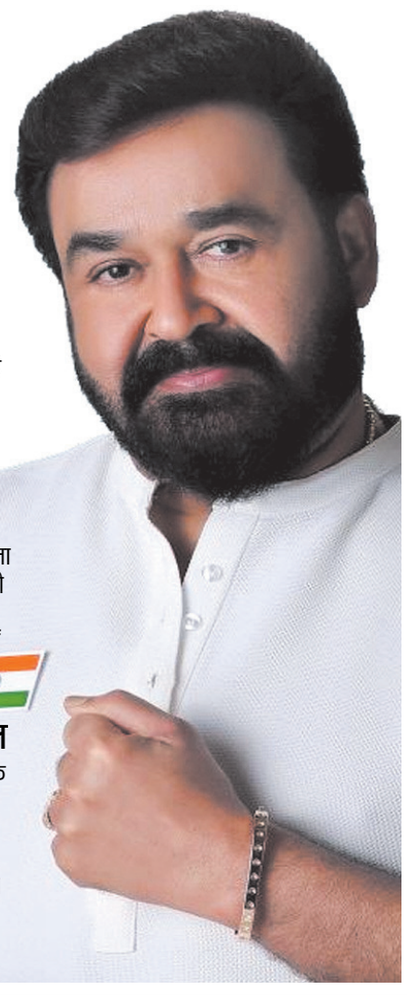

धनुष के साथ काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं संयुक्ता

धनुष के साथ फिल्म 'वाथी' में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

बातचीत में जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है। 'वाथी' में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं।

कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है। ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं। जब निर्देशक एक्शन कहते हैं, तो वो अपना पूरा जोर लगा देते हैं। वेंकी अटुलुरी द्वारा निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा 'वाथी' 2023 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक है।

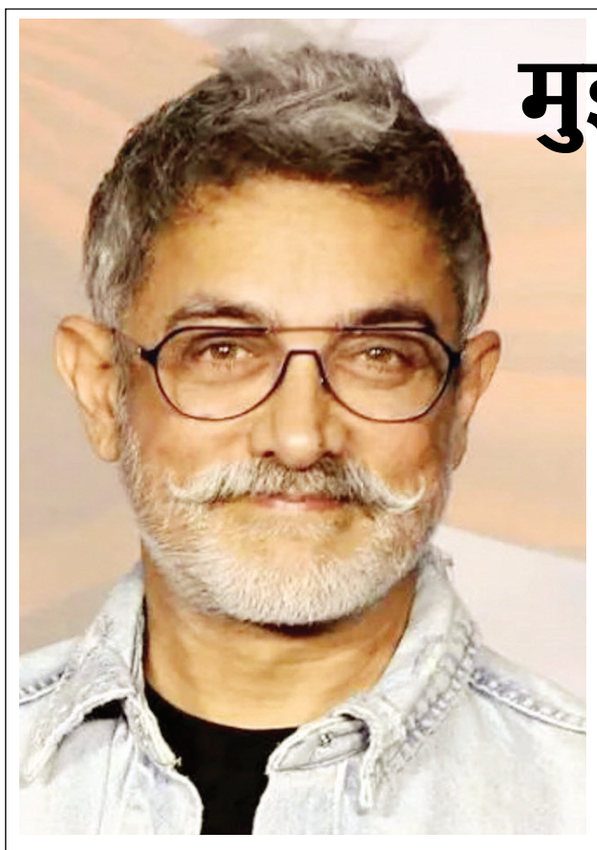

मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं उत्साहित करती हैं

आमिर खान ने फिल्मों में ना सिर्फ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया बल्कि जब उन्होंने बेहतरीन फिल्में बनाईं, तो कहा जाने लगा कि आमिर हर काम बड़े तरीके से करते हैं। यहीं से उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग भी मिला। लेकिन आमिर कहते हैं कि उनके लिए सफलता का पैमाना बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कितने करोड़ कमाए, इससे तय नहीं होता। हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली) में आए आमिर खान ने कहा, 'मेरे लिए पैसों की अहमियत उतनी ही रही है, जितना मैं उसको इस्तेमाल कर सकता हूं। आमिर खान कहते हैं कि मुझे उत्साह पैसों से नहीं बल्कि कहीं और से मिलता है। वह कहते हैं, 'मेरे पिता फिल्ममेकर थे, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि एक फिल्ममेकर का बेटा है तो पैसे वाले परिवार से है। लेकिन हमारे लिए वो समय आर्थिक तौर पर बहुत मुश्किल वक्त था। मेरे पिता फिल्ममेकर बहुत अच्छे थे, लेकिन वो बिजनेसमैन अच्छे नहीं थे। इसलिए ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं पैसे वाली फैमिली से हूं तो मेरे लिए पैसों की वैल्यू नहीं है। मुझे स्टोरी उत्साहित करती हैं, मुझे लोगों को हंसाना, अपने काम से उनकी आंखों में खुशी के आंसू देखना, उनके दिल का छूना एक्साइट करता है।'

'मैंने शेड्यूल बनाकर बचपन नहीं जीया'

आजकल के बच्चे पढ़ाई, ट्यूशन, टेनिस क्लास, म्यूजिक क्लास में ही पूरा दिन निकाल देते हैं। उनका पूरा दिन का शेड्यूल पहले से ही पैक रहता है। आमिर कहते हैं, 'मेरा क्रिकेट या फुटबॉल क्लास का कोई शेड्यूल नहीं था। मैं क्रिकेट खेलता था, मैं फुटबॉल खेलता था, उनकी क्लास नहीं लेता था। मेरी मां ने भी कभी भी मेरे लिए ऐसा करने के लिए कोई शेड्यूल नहीं बनाया था। लेकिन आज ये शेड्यूल का हिस्सा बन गया है। हमें एक तो पहले से ही पढ़ाई से तकलीफ होती थी। स्कूल से एक बजे घर आते थे, मुझे टेनिस में रुचि थी, तो मैं टेनिस खेलता था, लेकिन जैसे ही मैं फ्री हो गया और मैं टेनिस के लिए नहीं गया हूं तो मैं बिल्डिंग के नीचे जाता था, और बोलता था स्वीटी, केवल, विकी, दरअसल मैं अपने दोस्तों का नाम लेता था, और वो भी मुझे मेरे नाम से बुलाते थे (हंसते हुए) उस समय शेड्यूल फॉलो नहीं करते थे, हम एक साथ जुटते थे और खेलने लग जाते थे।'

'नॉलेज ऑनलाइन मिल रही है तो उसे क्लास में क्यों पढ़ाएं'

आमिर को लगता है कि आज की शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। वह कहते हैं, 'मुझे सच में लगता है कि शिक्षा के क्षेत्र में सचमुच एक बदलाव की जरूरत है। जब आप घर बैठे ही जान सकते हैं कि कितने ग्रह हैं, हमारा सौरमंडल कैसा है, राजा शिवाजी के समय क्या हुआ था, उस समय लीडर कैसे थे, ये सब चीजें हमें स्कूल में पढ़ाई जाती है। मुझे नहीं पता कि आज ये जमाने में ये कितना उपयुक्त है। आज जो नॉलेज है वो मेरी उंगलियों पर है। मुझे जानना है कि किसी व्यक्ति का जन्म कब हुआ था, तो मैं वह तुरंत देख सकता हूं। मुझे अपने दिमाग में वो नॉलेज जमा ही क्यों करनी है, जब उसकी अभी जरूरत ही नहीं है। एक जमाने में जरूरत थी, तो स्कूल में नॉलेज मिलती थी। नॉलेज तो अब फ्री हो गई है, लेकिन उस नॉलेज का प्रयोग कैसे करना है, इसकी ट्रेनिंग हम नहीं दे रहे हैं। हम स्कूल में बच्चों को चीजों को समझना नहीं सिखा रहे हैं, कैसे लोगों का ध्यान रखें और कैसे अच्छा इंसान बने ये सिखाने की जरूरत है।

आज डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी

आमिर का कहना है कि आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। वह कहते हैं, 'आजकल तो हर आदमी ज्यादातर समय फोन पर ही रहता है। हम डे ड्रीमिंग की कला को खोते जा रहे हैं। जब भी हम फ्री होते हैं, हमारा फोन हमारे हाथ में आ जाता है और हम अलग-अलग एप्स पर कुछ शॉर्ट्स देखने लगते हैं। वो बहुत मजेदार भी होते हैं लेकिन वो आपके दिमाग और समय को ऑब्जर्व कर रहे होते हैं। एक वक्त था जब फोन नहीं था, तो जब हम गाड़ी में बैठे होते थे और सिर्फ सोच रहे होते थे। बाहर जिंदगी को गुजरते हुए देख रहे होते थे। ये थी डे ड्रीमिंग। मुझे लगता है कि डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। यह आपके दिमाग को कई चीजों को एक्सप्लोर करने और उन्हें गहराई से समझने का मौका देता है। आज हमारे पास खुद के बारे में या किसी भी चीज के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं है। हमारे चारों तरफ बस डेटा घूम रहा है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।